Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 80
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.0
शनिवार, 28 मार्च, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

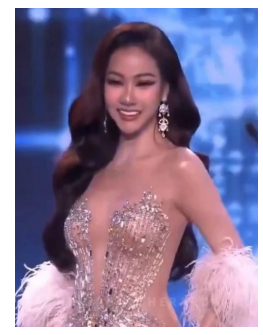

3 राज्य सहित मुंबई के नागरिकों को मिलेगी ...

4 उत्तर कोरिया : दिखावटी चुनाव में तानाशाह ....

7 'लोग मेरी बैटिंग को भूल जाते हैं', ...

संक्षिप्त न्यूज

तीन विधेयकों पर व्हप की रिपोर्ट के लिए बढ़ी समय सीमा, जेल जाने पर व्यक्ति को पद से हटाने का प्रावधान

नई दिल्ली। लोकसभा ने शुक्रवार को तीन अहम संविधान संशोधन विधेयकों पर संयुक्त समिति की रिपोर्ट पेश करने की समय सीमा बढ़ा दी। अब यह रिपोर्ट 2026 के मानसून्र सत्र के आखिरी सप्ताह के पहले दिन तक पेश की जाएगी। इन विधेयकों में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025; जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार, 2025 शामिल हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद अपराजिता सारंगी ने सदन में इस समय सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। इन प्रस्तावित संशोधनों में यह प्रावधान भी किया गया है कि अगर कोई व्यक्ति गिरफ्तारी के बाद जेल जाता है, तो वह प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी भी मंत्री पद पर नहीं रह सकेगा। साथ ही किसी आरोपी नेता को गिरफ्तारी के तीस दिनों के भीतर जमानत लेनी होगा। वरना 31वें दिन उसे पद से हटना होगा और ऐसा न होने पर वह अपने पद के लिए स्वतः अयोग्य हो जाएगा।

इससे पहले नवंबर में संसद ने इन तीनों विधेयकों की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपराजिता सारंगी को समिति का अध्यक्ष बनाया। इस समिति में लोकसभा और राज्यसभा के कुल 31 सदस्य शामिल हैं। लोकसभा से रविशंकर प्रसाद, भर्तृहरि महताब, सुप्रिया सुले और असदुद्दीन ओवैसी जैसे सदस्य शामिल हैं। वहीं, राज्यसभा से बृजलाल, उज्ज्वल निकम, सुधा मूर्ति और अन्य सदस्य इसमें शामिल किए गए हैं।

गौर करने वाली बात यह है कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के सदस्यों ने इस समिति में हिस्सा नहीं लिया है।

पश्चिम एशिया संकटः

पीएम मोदी की राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक, तैयारियों की हुई समीक्षा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। यह बैठक डिजिटल माध्यम से हुई। बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की गई। आदर्श आचार संहिता के कारण चुनावी राज्य इस बैठक में शामिल नहीं हुए। चुनावी राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए एक अलग बैठक होगी, जो कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से की जाएगी।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डिजिटल माध्यम से यह बैठक 'टीम इंडिया' की भावना के तहत राज्यों और केंद्र के बीच तालमेल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यह पहली बार है, जब प्रधानमंत्री ने 28 फरवरी को अमेरिका-इस्राइल के ईरान पर हमले से शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ इस तरह की बैठक की। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने खाड़ी पड़ोसी देशों और इजराइल पर हमले किए।

बैठक में कौन-कौन मुख्यमंत्री शामिल हुए?

बैठक में आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी, पंजाब के भगवंत मान, गुजरात के भूपेंद्र पटेल, जम्मू-कश्मीर के उमर अब्दुल्ला, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू सहित कई मुख्यमंत्री शामिल हुए। रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी इस बैठक में मौजूद थे।

एक सूत्र ने बताया, प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये मुख्यमंत्रियों से बातचीत की और राज्यों की तैयारियों व योजनाओं की समीक्षा की। बैठक का फोकस 'टीम इंडिया' की भावना के तहत तालमेल सुनिश्चित करना था।

आचार संहिता लागू होने के कारण चुनाव वाले राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए। कैबिनेट सचिवालय चुनाव वाले राज्यों तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के मुख्य सचिवों के साथ अलग बैठक करेगा।

संकट पर पहले हुई थी सर्वदलीय बैठक

सरकार ने 25 मार्च को पश्चिम एशिया की स्थिति पर राजनीतिक दलों के नेताओं को जानकारी देने के लिए सर्वदलीय बैठक भी की थी, जिसमें स्थिति से निपटने के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी दी गई। 23 मार्च को लोकसभा में बयान देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि पश्चिम एशिया संघर्ष से पैदा हुई वैश्विक परिस्थितियां लंबे समय तक बनी रह सकती हैं और उन्होंने देश से एकजुट और तैयार रहने का आह्वान किया था, जैसे कोविड-19 महामारी के दौरान रहा था।

भारत के पास 60 दिन का ईंधनः सरकार

इससे पहले सरकार ने नागरिकों को आश्वस्त किया था कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। सरकार ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध है। लोगों से ईंधन की कमी से जुड़ी अटकलों पर ध्यान न देने की अपील की गई। सरकार ने पुष्टि की कि देश की ऊर्जा आपूर्ति स्थिर और अच्छी तरह प्रबंधित है और मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, कच्चे तेल की आपूर्ति अगले लगभग दो महीने के लिए पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल बाजार कंपनियों ने पहले से ही आयात की व्यवस्था कर ली है, जिससे आपूर्ति में निरंतरता बनी रहे। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाओं के बावजूद भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीद रहा है, जिससे किसी एक मार्ग या क्षेत्र पर निर्भरता कम हो जाती है।

मुख्य न्यायाधीश का सख्त निर्देश

न्यायिक रिक्तियों में देरी बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली। देश की न्याय व्यवस्था को तेज और प्रभावी बनाने के लिए मुख्य न्यायाधीश Surya Kant ने सभी उच्च न्यायालयों को पत्र लिखकर स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि न्यायिक पदों की रिक्तियां भरने में अब किसी प्रकार की देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश ने विशेष रूप से महिला न्यायाधीशों की नियुक्ति बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि इसे अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य नियम के रूप में देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मेधावी महिला वकीलों को न्यायपीठ का हिस्सा बनाना केवल संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि न्याय प्रक्रिया में संवेदनशीलता और संतुलन लाने के लिए आवश्यक है।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि उच्च न्यायालय केवल स्थानीय वकीलों तक सीमित न रहें, बल्कि उन महिला वकीलों के नामों पर भी विचार करें जो मूल रूप से संबंधित राज्यों से हैं लेकिन वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय में वकालत कर रही हैं।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायिक पद खाली होने के बाद प्रक्रिया शुरू करने के बजाय पहले ही चयन प्रक्रिया शुरू कर दी जानी चाहिए, ताकि पद लंबे समय तक खाली न रहें।

आंकड़ों के अनुसार, देश के उच्च न्यायालयों में स्वीकृत 1122 पदों के मुकाबले केवल 814 न्यायाधीश कार्यरत हैं, जबकि 308 पद अब भी रिक्त हैं। वहीं महिला न्यायाधीशों की संख्या अभी भी सीमित है, जो कुल मिलाकर 116 है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जिला अदालतों में लगभग 36.3 प्रतिशत महिला न्यायिक अधिकारी कार्यरत हैं, जो एक सकारात्मक संकेत है। अब आवश्यकता है कि यही प्रतिनिधित्व उच्च न्यायपालिका में भी दिखाई दे।

मुख्य न्यायाधीश ने सभी उच्च न्यायालयों से आग्रह किया कि वे व्यापक दृष्टिकोण अपनाते हुए योग्य उम्मीदवारों का चयन करें और न्यायिक व्यवस्था को अधिक सशक्त, समावेशी और प्रभावी बनाएं।

कर्नाटक विधानसभा में सत्तापक्ष और विपक्ष आमने-सामने, उपमुख्यमंत्री पर टिप्पणी को लेकर हंगामा

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में उस समय भारी हंगामा हुआ जब उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार पर की गई व्यक्तिगत टिप्पणी को लेकर सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्ष के बीच तीखी बहस छिड़ गई।

यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब विपक्ष के एक विधायक ने चर्चा के दौरान डी. के. शिवकुमार पर व्यक्तिगत टिप्पणी की। इस पर सत्तापक्ष के विधायकों ने कड़ा विरोध जताते हुए इसे अनुचित व्यवहार बताया और विधानसभा अध्यक्ष से संबंधित विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

बताया गया है कि उस समय उपमुख्यमंत्री बेंगलुरु से जुड़े मुद्दों पर चल रही चर्चा का जवाब दे रहे थे। उनके वक्तव्य के दौरान की गई टिप्पणी पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई और सदन में जोरदार हंगामा किया।

सत्तापक्ष के विधायकों ने कहा कि इस प्रकार की व्यक्तिगत टिप्पणियां सदन की गरिमा के खिलाफ हैं और लोकतांत्रिक परंपराओं का उल्लंघन करती हैं। उन्होंने दोषी विधायक के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की।

इस घटनाक्रम के कारण कुछ समय के लिए विधानसभा की कार्यवाही बाधित रही और सदन का वातावरण तनावपूर्ण हो गया।

भारत की बढ़ेगी सैन्य ताकतः

सरकार ने किए 858 करोड़ के दो बड़े रक्षा सौदे; रूस से खरीदी जाएगी तुंगुस्का मिसाइल

नई दिल्ली। भारत ने अपनी सैन्य शक्ति और समुद्री निगरानी क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को दो महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन दोनों समझौतों की कुल कीमत 858 करोड़ रुपये है। ये सौदे थल सेना और नौसेना की जरूरतों को पूरा करने के लिए किए गए हैं। इन समझौतों के जरिए भारत न केवल आधुनिक तकनीक हासिल करेगा बल्कि पुरानी प्रणालियों के रख-रखाव को भी बेहतर बनाएगा।

सेना के लिए रूस से एयर डिफेंस सिस्टम

रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी है कि रूस की सरकारी एजेंसी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के साथ 445 करोड़ रुपये का करार हुआ है। इसके तहत भारतीय सेना के लिए तुंगुस्का एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम खरीदा जाएगा। यह आधुनिक सिस्टम दुश्मन के विमानों, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों को हवा में ही मार गिराने में सक्षम है। इस समझौते से भारत-रूस के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी को भी बल मिलेगा।

नौसेना के पी-8आई विमानों का होगा रखरखाव

मंत्रालय ने दूसरा समझौता बोइंग इंडिया डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया है। यह सौदा 413 करोड़ रुपये का है। इस करार का मुख्य मकसद भारतीय नौसेना के पी8आई (इ8घ) लंबी दूरी के समुद्री निगरानी विमानों का मेंटेनेंस यानी रखरखाव करना है। यह समझौता बाई इंडियन श्रेणी के तहत किया गया है। इसके तहत विमानों की मरम्मत का काम स्वदेशी तकनीक और सुविधाओं के जरिए भारत में ही पूरा किया जाएगा।

बोइंग पी8आई विमान भारतीय नौसेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह एक मल्टी रोल विमान है जिसका इस्तेमाल पनडुब्बी रोधी युद्ध और समुद्री निगरानी के लिए किया जाता है। हिंद महासागर क्षेत्र में निगरानी रखने के लिए यह विमान नौसेना का मुख्य हथियार है। फिलहाल भारतीय नौसेना के पास ऐसे 12 विमान मौजूद हैं। इस समझौते के बाद इन विमानों की कार्यक्षमता और बढ़ जाएगी जिससे समुद्री सीमाओं पर नजर रखना आसान होगा।

लोकसभा में पेश हुआ जन विश्वास विधेयक, कांग्रेस सांसदों ने किया विरोध

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। इसका मकसद छोटे-मोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना और नियमों आसान बनाना है। इससे कारोबार करना आसान हो सकेगा। विधेयक को वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने पेश किया। इसमें चयन समिति की सिफारिशों को शामिल किया गया है।

इस विधेयक का मकसद कुछ कानूनों में बदलाव करने के छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से हटाना और नियमों को सरल बनाना है, ताकि भरोसे पर आधारित शासन को बढ़ावा मिले और लोगों का जीवन और कारोबार करना आसान हो सके।

कांग्रेस सांसदों ने किया विधेयक का विरोध

कांग्रेस सांसद कडियम काव्या और जीके पदवी ने इस विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह संविधान की मूल संरचना के खिलाफ है। पदवी ने सरकार से अपील की कि इस विधेयक को फिर से चयन समिति या किसी संसदीय समिति के पास भेजा जाए। उन्होंने कहा, यह एक प्रशासनिक चूक है। विधेयक मनमाना है और इससे भ्रष्टाचार बढ़

सकता है। इसलिए इसकी दोबारा जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि चयन समिति की रिपोर्ट में असहमति दर्ज करने का विकल्प दिया गया है।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री ने क्या कहा?

जितिन प्रसाद ने कहा, इस विधेयक पर विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें केवल छोटे अपराधों को ही अपराध की श्रेणी से हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह विधेयक छोटे-मोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से हटाकर लाएगा। साथ ही जुर्माना और सजा को अपराध की गंभीरता के हिसाब से तय किया जाएगा और आपराधिक करने की व्यवस्था भी बनाई जाएगी। इससे लोगों के लिए जीवन जीना और कारोबार करना आसान हो जाएगा।

उन्होंने बताया, इस विधेयक के तहत 23 मंत्रालयों की ओर से लागू 79 केंद्रीय कानूनों के कुल 784 प्रावधानों में बदलाव प्रस्तावित है। इनमें 717 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से हटाने का प्रस्ताव है, ताकि कारोबार करना आसान हो सके, जबकि 67 प्रावधान लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए बदले जाएंगे।

मार्च 2025 में पीयूष गोयल ने पेश किया था विधेयक

इस विधेयक को 17 मार्च को चयन समिति की सिफारिशों को शामिल करने के लिए लोकसभा से वापस ले लिया गया था, ताकि इसे फिर से पेश किया जा सके। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 18 मार्च 2025 को यह विधेयक लोकसभा में पेश किया गया, जिसके बाद इसे चयन समिति को भेज दिया गया था।

यह प्रक्रिया 2023 के जन विश्वास कानून की सफलता पर आधारित है, जिसमें कई कानूनों में छोटे अपराधों को खत्म किया गया था। 11 अगस्त 2023 को लागू इस कानून के तहत 19 मंत्रालयों के 42 केंद्रीय कानूनों में 183 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से हटाया गया था।

ईंधन शुल्क में कटौती पर कांग्रेस का हमला, जयराम रमेश बोले - यह चुनावी प्रलोभन

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती के सरकार के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे चुनाव से पहले उठाया गया राजनीतिक कदम बताया है।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर लिया गया है और इसे जनता को आकर्षित करने के प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि पिछले 12 वर्षों में जब वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें कई बार गिरीं, तब भी उपभोक्ताओं को राहत नहीं दी गई, लेकिन अब अचानक शुल्क में कटौती की घोषणा की गई है।

सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 3 रुपये प्रति लीटर कम किया गया है, जबकि डीजल पर उत्पाद शुल्क समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा डीजल निर्यात पर 21.5 रुपये प्रति लीटर का अतिरिक्त कर लगाया गया है।

यह निर्णय पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच लिया गया है, जहां अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का महत्वपूर्ण मार्ग है, वहां उत्पन्न स्थिति का भी इस पर असर माना जा रहा है।

सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों के कारण तेल विपणन कंपनियों पर पड़ रहे आर्थिक दबाव को कम करना है, हालांकि अभी तक खुदरा ईंधन कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल और डीजल उपलब्ध है। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और घबराहट में ईंधन की खरीद न करें।

पश्चिम एशिया संकट पर उमर अब्दुल्ला की प्रधानमंत्री से अपील, कूटनीति से युद्ध रोकने की मांग

नई दिल्ली/श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को समाप्त कराने के लिए भारत की कूटनीतिक शक्ति का उपयोग करने की अपील की है। उन्होंने इस संघर्ष को अन्यायपूर्ण बताते हुए इसके मानवीय प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह संकट केवल राजनीतिक या रणनीतिक विषय नहीं है, बल्कि इससे लाखों लोग प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों की स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि इससे देश के कई परिवार परेशान हैं।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संघर्षों में अक्सर सत्ता परिवर्तन, होर्मुज जलडमरूमध्य और तेल की कीमतों जैसे मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया जाता है, लेकिन मानवीय पीड़ा को पर्याप्त महत्व नहीं मिलता। उन्होंने यह भी कहा कि इस संकट का असर भारत में भी दिखाई दे रहा है, जैसे पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें और लोगों में बढ़ती चिंता।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जनता के प्रतिनिधि होने के नाते उनका कर्तव्य है कि वे इस विषय को सदन में उठाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विधानसभा सीधे युद्ध को रोक नहीं सकती, लेकिन भारत की मजबूत कूटनीतिक स्थिति शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

उन्होंने अमेरिका, इज़राइल और ईरान जैसे देशों के साथ भारत के संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार इन संबंधों और कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग कर शांति स्थापित करने में योगदान दे सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे इन प्रयासों को तेज करें, ताकि संघर्ष समाप्त हो, लोगों की पीड़ा कम हो और देशों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व स्थापित हो सके।

'आयात में विविधता और क्षमता विस्तार से ला रहे उर्वरकों की आपूर्ति में स्थिरता', बोली केंद्र सरकार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच भारत सरकार कहा है कि देश के किसानों को उर्वरकों की कमी नहीं होगी। उर्वरक विभाग ने शुक्रवार को इस मामले पर आधिकारिक बयान दिया। इसमें कहा गया कि घरेलू उत्पादन के लिए उर्वरकों की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने और भू-राजनीतिक जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से संसाधन-समृद्ध देशों के साथ दीर्घकालिक समझौते किए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने लोकसभा में बताया कि घरेलू प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने के लिए सरकार पोषक तत्व-आधारित सब्सिडी योजना के तहत क्षमता विस्तार को प्रोत्साहित कर रही है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के बयान में सरकार ने आयात पर निर्भरता और मिट्टी के पोषक तत्वों के असंतुलन से निपटते हुए उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

हरित अमोनिया पर सरकार का जोर

वर्तमान में, उर्वरक कंपनियां 59.65 लाख मीट्रिक टन की संयुक्त वार्षिक क्षमता वाले नए डीएपी/एनपीके संयंत्रों के साथ-साथ 44.21 लाख मीट्रिक टन की क्षमता वाले फॉस्फोरिक और सल्फ्यूरिक एसिड संयंत्र स्थापित कर रही हैं। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत, उर्वरक क्षेत्र के लिए 7.24 लाख मीट्रिक टन हरित अमोनिया की खरीद का प्रावधान किया गया है।

कुशल उर्वरक उपयोग को बढ़ावा

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मिट्टी परीक्षण-आधारित संतुलित निषेचन की सिफारिश करता है। यह केवल नाइट्रोजन पर अत्यधिक निर्भर रहने के बजाय एनपीके उर्वरकों के संतुलित अनुप्रयोग की ओर से पूरक है। बयान में कहा गया है कि नाइट्रोजन के विभाजित अनुप्रयोग, उर्वरकों के उचित स्थानन, और पोषक तत्वों के नुकसान को कम करने के लिए धीमे-रिलीज उर्वरकों, नीम-कोटेड यूरिया और नाइट्रीफिकेशन इनहिबिटर के उपयोग जैसी प्रथाओं के माध्यम से कुशल उर्वरक उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है।

आईसीएआर किसान प्रशिक्षण, प्रदर्शनों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण में भी लगा हुआ है, ताकि अत्यधिक यूरिया की खपत को कम करने, संतुलित पोषक तत्व अनुप्रयोग सुनिश्चित करने और मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सके।

महापौर रितु तावड़े का बयान

कर्मचारियों को कानूनी लाभ देने के प्रति संवेदनशीलता

बेस्ट कर्मचारियों की लंबित मांगों पर संयुक्त बैठक संपन्न

दिव्यांश

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका प्रशासन बेस्ट को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सेवानिवृत्त कामगारों और कर्मचारियों को ग्रेच्युटी तथा अन्य कानूनी देयकों का भुगतान करने के प्रति प्रशासन संवेदनशील है। बेस्ट के पास अपनी स्वयं की बसें हों, इसे प्राथमिकता दी जाएगी। इस संबंध में लगातार बैठकें आयोजित कर योजनाबद्ध कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, बेस्ट प्रशासन को भी प्रभावी कदम उठाने चाहिए, ऐसा प्रतिपादन महापौर श्रीमती रितु तावड़े ने किया।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय के स्थायी समिति सभागार में बेस्ट कर्मचारियों की लंबित मांगों के संबंध में संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता महापौर श्रीमती रितु तावड़े ने की। बैठक में बेस्ट कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की लंबित मांगें, ग्रेच्युटी, वेतन समझौता, पदोन्नति, अनुकंपा भर्ती, निजी बसों की उपलब्धता तथा आर्थिक सहायता जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। महापौर श्रीमती तावड़े

ने बेस्ट कामगार संघ और बेस्ट संयुक्त कामगार कार्य समिति के पदाधिकारियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना और समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर उपमहापौर संजय घाड़ी, सदन नेता गणेश खांकर, स्थायी समिति अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे, शिवसेना गटनेता अमेय घोले, बेस्ट समिति अध्यक्ष तृष्णा विश्वासराव, अतिरिक्त आयुक्त (शहर) एवं बेस्ट महाप्रबंधक (अतिरिक्त प्रभार) डॉ. (श्रीमती) अश्विनी जोशी, सहायक महाप्रबंधक (विधि) राजेंद्र दुबल, मुख्य प्रबंधक (परिवहन) रमेश मडावी सहित संबंधित अधिकारी, संगठन के पदाधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित थे।

महापौर श्रीमती तावड़े ने आगे कहा कि बेस्ट मुंबई की प्रमुख सार्वजनिक परिवहन और विद्युत आपूर्ति संस्था है तथा यह भारत की सबसे बड़ी शहरी परिवहन सेवाओं में से एक है। बेस्ट को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाना आवश्यक है। अपनी बसों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक पहल की जाएगी। इसके लिए नियमित बैठकें आयोजित की जाएंगी। साथ ही, बेस्ट प्रशासन को वित्तीय अनुशासन, आय वृद्धि और कार्यकुशलता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। प्रभावी एवं दीर्घकालीन उपाय तैयार कर उन्हें सख्ती से लागू किया जाना चाहिए, ऐसा निर्देश महापौर ने दिया।

मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल में विश्व क्षय रोग दिवस विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रमों के साथ मनाया गया; 'टीबी-मुक्त भारत' के संकल्प को दोहराया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल द्वारा 24 मार्च 2026 को 'विश्व क्षय रोग दिवस' सोलापुर स्थित डॉ. कोटणीस स्मृति मंडलीय रेलवे अस्पताल तथा वाडी स्थित पॉलीक्लिनिक में विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को क्षय रोग (टीबी) के लक्षण, रोकथाम, समय पर निदान तथा प्रभावी उपचार के प्रति जागरूक करना था, ताकि इस रोग के पूर्ण उन्मूलन के राष्ट्रीय प्रयासों को बल मिल सके।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित देगांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सा अधिकारी डॉ. सोनाली महिंद्रकर ने अत्यंत जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने क्षय रोग के कारणों, लक्षणों तथा इसके फैलने के माध्यमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के लिए समय पर जांच, रोकथाम के उपायों तथा चिकित्सकों द्वारा निर्धारित उपचार का नियमित पालन करने के महत्व पर विशेष जोर दिया।

सोलापुर मंडल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मंजुनाथ जी. एस. ने अपने संबोधन में क्षय रोग उन्मूलन हेतु चल रहे निरंतर राष्ट्रीय प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने 'टीबी-मुक्त भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों तथा समाज की सक्रिय भागीदारी को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। साथ ही, उन्होंने उपस्थित लाभार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने एवं इस रोग से जुड़े सामाजिक कलंक को दूर करने के लिए प्रेरित किया।

वाडी स्थित पॉलीक्लिनिक में भी मंडलीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. रघुनंदन एवं डॉ. श्रवण द्वारा इसी प्रकार का जन-जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिससे इस पहल का लाभ अधिक से अधिक रेलवे लाभार्थियों तक पहुंच सका।

इन कार्यक्रमों में कुल लगभग 130 लाभार्थियों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज की, जो इस पहल के प्रति समाज की सकारात्मक प्रतिक्रिया और बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

सोलापुर मंडल द्वारा आयोजित 'विश्व क्षय रोग दिवस' कार्यक्रम प्रतिभागियों के उत्साहपूर्ण सहभाग और सार्थक संवाद के कारण विशेष रहा। इस अवसर पर भारतीय रेलवे की जन-स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता तथा क्षय रोग उन्मूलन के राष्ट्रीय अभियान में उसकी सक्रिय भूमिका पुनः स्पष्ट रूप से सामने आई।

पल्स 2026 सम्मेलन में विशेषज्ञों की राय

'मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्र में परिवर्तन लाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को केवल पारंपरिक चिकित्सीय ढांचे तक सीमित न रखकर, समुदाय आधारित, सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और सहयोगात्मक मॉडल विकसित करने की आवश्यकता है, ऐसा मत इस क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञों ने व्यक्त किया।

जिओ विश्व सम्मेलन केंद्र में आयोजित दो दिवसीय 'पल्स 2026' सम्मेलन के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य विषयक सत्र में डॉ. हमीद दाभोलकर, राज मरीवाला और रत्नबोली रॉय ने भाग लिया और इस विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य केवल चिकित्सक और रोगी के बीच का विषय नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज से जुड़ा हुआ है। इस चर्चा का संचालन सामग्री निर्माता प्राजक्ता कोळी ने किया।

डॉ. हमीद दाभोलकर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तथा विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमि के लोगों में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अलग-अलग मान्यताएं और धारणाएं होती हैं। इसलिए सेवाएं प्रदान करते समय स्थानीय संस्कृति के अनुरूप दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। भारत में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की संख्या बहुत कम है, इसलिए सभी तक सेवाएं पहुंचाने के लिए समुदाय स्तर पर व्यवस्था विकसित करना जरूरी है। आशा कार्यकर्ता, स्वयंसेवी संस्थाएं और स्थानीय प्रतिनिधियों के माध्यम से घर-घर तक सेवाएं पहुंचाई जा सकती हैं।

उन्होंने सहयोगात्मक स्वास्थ्य सेवा की अवधारणा पर भी जोर दिया।

रत्नबोली रॉय ने मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास के सामाजिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लंबे समय तक संस्थानों में रहने के बाद जब रोगी समाज में लौटते हैं, तो उनके सामने पहचान, आजीविका और सम्मान जैसी मूलभूत चुनौतियां खड़ी होती हैं। पुनर्वास का अर्थ केवल बीमारी से मुक्त होना नहीं, बल्कि स्वयं की पहचान और जीवन की दिशा तय करना भी है। रोजगार, सामाजिक सहभागिता और आत्मसम्मान पुनर्वास के महत्वपूर्ण घटक हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सीय उपचार के साथ-साथ सामाजिक पुनर्वास को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए।

राज मरीवाला ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में केवल अवसाद और चिंता जैसी स्थितियों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय सामाजिक कारणों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। भारत में आत्महत्या के कई मामलों के पीछे सामाजिक कारण जिम्मेदार होते हैं। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य को व्यापक सामाजिक संदर्भ में समझना जरूरी है। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं, वित्तीय सहायता देने वाली संस्थाओं और नीति निर्माताओं से अपील की कि वे दीर्घकालीन और समावेशी समुदाय आधारित पहल को समर्थन दें।

उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को अपने आसपास मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और जरूरतमंद लोगों की सहायता करने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

15 हजार से अधिक बकायेदारों ने अभय योजना का लाभ लेकर 81 करोड़ कर जमा किया

सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी संपत्ति कर जमा करने की सुविधा उपलब्ध

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा संपत्ति कर बकायेदारों के लिए शुरू की गई अभय योजना की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 रात 12 बजे तक निर्धारित है। इस योजना का लाभ लेने के लिए केवल 4 दिन शेष हैं। जिन बकायेदारों ने अभी तक अपना संपत्ति कर जमा नहीं किया है, वे 31 मार्च 2026 तक अवश्य जमा करें, ऐसा आह्वान आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने किया है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में 27 मार्च 2026 शाम 5 बजे तक कुल 755 करोड़ रुपये का संपत्ति कर जमा हुआ है। अब तक 2 लाख 14 हजार 900 संपत्ति धारकों ने कर का भुगतान किया है। इनमें से 61.5 प्रतिशत ने ऑनलाइन तथा 38.5 प्रतिशत ने ऑफलाइन माध्यम से कर जमा किया है।

इसके अतिरिक्त, अभय योजना का लाभ लेते हुए 15 हजार 92 बकायेदारों ने कुल 81 करोड़ 34 लाख 49 हजार 689 रुपये का संपत्ति कर जमा किया है। महानगरपालिका द्वारा शुरू की गई इस योजना को नागरिकों का अच्छा सहयोग प्राप्त हो रहा है। वित्तीय वर्ष समाप्त होने में केवल 4 दिन शेष होने के कारण संपत्ति कर विभाग ने वसूली अभियान

को और तेज कर दिया है।

नागरिकों की सुविधा के लिए आगामी 3 दिन यानी शनिवार (28 मार्च), रविवार (29 मार्च) तथा सोमवार (30 मार्च) को भी कर संग्रह केंद्र सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक खुले रहेंगे। वहीं 31 मार्च 2026 को सुबह 10 बजे से रात 12 बजे तक केंद्र चालू रहेंगे। इससे नौकरीपेशा तथा सामान्य नागरिकों को अवकाश के दिन भी कर जमा करना आसान होगा।

महानगरपालिका के संपत्ति कर विभाग ने इस वर्ष वसूली के लिए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग किया है। ऑनलाइन भुगतान प्रणाली तथा विभिन्न डिजिटल माध्यमों के जरिए नागरिकों को सरल सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इसके साथ ही संदेश, सूचना पत्र और प्रत्यक्ष संपर्क के माध्यम से नियमित रूप से संपर्क बनाए रखने से वसूली प्रक्रिया में तेजी आई है।

इस योजना के अंतर्गत आवासीय, गैर-आवासीय, औद्योगिक तथा खाली भूखंडों के संपत्ति कर की बकाया राशि एकमुश्त जमा करने पर विलंब शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इस छूट का लाभ लेने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-2026 तक की पूरी बकाया राशि निर्धारित समय सीमा में एकमुश्त जमा करना आवश्यक है। योजना की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 रात 12 बजे तक है। नागरिक ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से अपना कर जमा कर सकते हैं।

जो संपत्ति धारक अभी तक कर जमा नहीं कर पाए हैं, वे महानगरपालिका की आधिकारिक वेबसाइट, व्हाट्सएप सेवा या कर संग्रह केंद्र पर जाकर तुरंत अपना संपत्ति कर जमा करें, ऐसा आह्वान आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने किया है।

अभय योजना का लाभ लेने का अंतिम अवसर - केवल 4 दिन शेष

नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा संचालित इस योजना का लाभ लेने के लिए अब केवल 4 दिन शेष हैं। योजना के अंतर्गत बकाया संपत्ति कर एकमुश्त जमा करने पर विलंब शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इस योजना को नागरिकों का उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिल रहा है और अनेक बकायेदार इसका लाभ उठा चुके हैं। शेष नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस अवसर को न गंवाएं और शीघ्र कर जमा करें।

ऑपरेशन 'रेल प्रहरी' : संवेदनशील मामले में त्वरित कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 'ऑपरेशन रेल प्रहरी' के अंतर्गत उच्च स्तर की सतर्कता और त्वरित समन्वय के माध्यम से एक नाबालिग लड़की के अपहरण से जुड़े गंभीर मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए पीड़िता की सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 26 मार्च 2026 को वर्सोवा पुलिस थाना, मुंबई में अपराध संख्या 0325/2026 के अंतर्गत भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला दर्ज किया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अपहृत नाबालिग को एक युवक द्वारा ट्रेन संख्या 12480 (सूर्यनगरी एक्सप्रेस) के सामान्य श्रेणी डिब्बे में अहमदाबाद की ओर ले जाया जा रहा था।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल, अहमदाबाद द्वारा तत्काल बहु-स्तरीय निगरानी और समन्वित कार्रवाई शुरू की गई। संदिग्ध

व्यक्तियों के विवरण और तस्वीरों को तुरंत सभी कर्मचारियों तक पहुंचाया गया तथा वायरलेस संचार माध्यमों से लगातार निगरानी रखी गई।

ट्रेन के अहमदाबाद स्टेशन पहुंचने के बाद रेलवे सुरक्षा बल के निरीक्षक प्रवीण कुमार के निर्देशन में उपनिरीक्षक पीयूष चौधरी के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल महेंद्र सिंह, महेश परमार, राकेश सिंह और कांस्टेबल प्रदीप द्वारा सघन तलाशी अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान उपलब्ध जानकारी के आधार पर संदिग्ध युवक और नाबालिग लड़की की पहचान कर उन्हें विधिवत हिरासत में लिया गया। पूछताछ में यह सामने आया कि नाबालिग लड़की (उम्र 16 वर्ष, निवासी अंधेरी पश्चिम, मुंबई) और आरोपी युवक शिवम (उम्र 19 वर्ष, निवासी रायबरेली, उत्तर प्रदेश) घर से भागकर आए थे।

आगे की कार्रवाई के लिए दोनों को राजकीय रेलवे पुलिस, अहमदाबाद को सौंप दिया गया तथा संबंधित वर्सोवा पुलिस थाना को भी सूचित किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद वेद प्रकाश ने रेलवे सुरक्षा बल की टीम की सराहना करते हुए कहा कि उनकी त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से नाबालिग की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है, जो यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पश्चिम रेलवे का कांदिवली एवं बोरीवली के बीच मेजर ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा ब्रिज संख्या 61 के री-गर्डरिंग कार्य को करने हेतु कांदिवली और बोरीवली स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन स्लो लाइनों पर 28 मार्च, 2026 को 22:30 बजे से 29 मार्च, 2026 को 19:30 बजे तक तथा 29 मार्च, 2026 को डाउन फास्ट लाइन पर 01:00 बजे से 04:30 बजे तक जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्लो लाइन ब्लॉक के दौरान सभी स्लो लाइन की ट्रेनें गोरेगांव एवं बोरीवली के बीच फास्ट लाइन पर चलाई जाएंगी। वहीं, डाउन फास्ट लाइन पर ब्लॉक के दौरान प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता के कारण डाउन दिशा में ट्रेनें 5वीं लाइन पर परिचालित होंगी तथा ये ट्रेनें राम मंदिर, मालाड एवं कांदिवली स्टेशनों पर नहीं

रुकेंगी।

ब्लॉक अवधि के दौरान बोरीवली स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 एवं 2 पर कोई भी ट्रेन परिचालित नहीं होगी। कुछ उपनगरीय सेवाएं निरस्त रहेंगी अथवा अंधेरी एवं गोरेगांव स्टेशनों पर आंशिक रूप से शॉर्ट-टर्मिनेट होंगी। प्रभावित ट्रेनों की विस्तृत सूची सभी उपनगरीय स्टेशनों के स्टेशन मास्टर कार्यालय में उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त, सभी 15-डिब्बा स्लो सेवाएं अंधेरी एवं बोरीवली के बीच दोनों दिशाओं में फास्ट ट्रेन के रूप में परिचालित होंगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि उपर्युक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

प्रभावित ट्रेनों का विवरण अनुलग्नक I और II में संलग्न है।

पश्चिम रेलवे
वडोदरा मंडल

डेटा लॉगर सिस्टम का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (CAMC)

निविदा सूचना संख्या: S&T/BRC/25-26/44/SIG दिनांक: 23-03-2026 भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए कार्यरत Sr. DSTE/वडोदरा, **निविदा संख्या SandT_BRC_25-26_44_SIG** के सामने ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही जमा कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया जाएगा। **1. कार्य का नाम और उसका स्थान:** वडोदरा मंडल में 3 वर्षों के लिए डेटा लॉगर सिस्टम (M/s Efftronics निर्मित) का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (CAMC) **2. कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 4,92,20,096.05 **3. जमा की जाने वाली बयाना राशि (Earnest Money):** ₹ 9,84,400.00 **4. ई-निविदा जमा करने और ई-निविदा खोलने की तिथि और समय:** 15.04.2026 @ 15:00 बजे और 15.04.2026 @ 15:30 बजे **5. वेबसाइट का विवरण और वह स्थान जहाँ पूरी जानकारी देखी जा सकती है, आदि:** http://www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, दूसरी मंजिल-एनेक्स भवन, DRM कार्यालय, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 BRC 403

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से विभिन्न स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09075 मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम स्पेशल को 29 अप्रैल, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09076 काठगोदाम-मुंबई सेंट्रल स्पेशल को 30 अप्रैल, 2026 तक विस्तारित किया गया है।
2. ट्रेन संख्या 09185 मुंबई सेंट्रल-कानपुर अनवरगंज स्पेशल को 26 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09186 कानपुर अनवरगंज - मुंबई सेंट्रल स्पेशल को 27 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।
3. ट्रेन संख्या 09005 बांद्रा टर्मिनस-भिवानी स्पेशल को 29 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09006 भिवानी - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 30 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।
4. ट्रेन संख्या 09025 वलसाड - दानापुर स्पेशल को 29 जून, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09026 दानापुर-वलसाड स्पेशल को 30 जून, 2026 तक विस्तारित किया गया है।
5. ट्रेन संख्या 09031 उधना-हसनपुर रोड अनारक्षित स्पेशल को 28 जून, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09032 हसनपुर रोड-उधना अनारक्षित स्पेशल को 29 जून, 2026 तक विस्तारित किया गया है। 6. ट्रेन संख्या 09065 सूरत - छपरा स्पेशल को 29 जून, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार

ट्रेन संख्या 09066 छपरा-सूरत स्पेशल को 01 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। 7. ट्रेन संख्या 09447 अहमदाबाद-पटना स्पेशल को 29 अप्रैल, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09448 पटना-अहमदाबाद स्पेशल को 01 मई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

8. ट्रेन संख्या 09425 साबरमती-हरिद्वार स्पेशल को 29 जून, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09426 हरिद्वार - साबरमती स्पेशल को 30 जून, 2026 तक विस्तारित किया गया है।
9. ट्रेन संख्या 09309 इंदौर-हज़रत निज़ामुद्दीन स्पेशल को 28 जून, 2026 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन 22 एवं 24 मई, 2026 को नहीं चलेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09310 हज़रत निज़ामुद्दीन-इंदौर स्पेशल को 29 जून, 2026 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन 23 एवं 25 मई, 2026 को नहीं चलेगी। 10. ट्रेन संख्या 09343 डॉ. अंबेडकर नगर-पटना स्पेशल को 25 जून, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09344 पटना-डॉ. अंबेडकर नगर स्पेशल को 26 जून, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09425 एवं 09309 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 28.03.2026 से प्रारंभ होगी, जबकि ट्रेन संख्या 09075, 09185, 09005, 09025, 09065, 09447 एवं 09343 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 29.03.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर प्रारंभ होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव एवं रेक संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे – रतलाम

एस एंड टी सामग्री की आपूर्ति स्थापना परीक्षण और कमीशनिंग

निविदा संख्या : SnT_RTM_26_07_SIGNAL. **दिनांक : 25.03.2026.** निम्न कार्य के लिए मंडल रेल प्रबंधक (एस एण्ड टी) पश्चिम रेलवे रतलाम, के लिए ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम** : रतलाम मंडल नीमच– चित्तौड़गढ़ डबल लाइन सेक्शन पर शंभुपुरा–गंभीरी रोड़ स्टेशनों के बीच इंटरमीडिएट ब्लॉक सिग्नलिंग (आईबीएस) का प्रावधान के शेष कार्य के संबंध में एसएंडटी सामग्री की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। **कार्य की अनुमानित लागत** : ₹10,485,790.32/–, **बयाना राशि** : ₹209,800.00/–, **निविदा बंद करने का समय एवं दिनांक** : दिनांक 20/04/2026 समय 15.00 बजे तक। **निविदा खुलने का समय एवं दिनांक** : दिनांक 20/04/2026 समय 15:30 बजे के बाद। **कार्य पूरा करने की अवधि** : 09 माह। **निविदा अनुभाग कार्यालय प्रभारी और बोली खोलने का स्थान** : सीनियर डीएसटीई रतलाम, डीआरएम कार्यालय रतलाम म.प्र.। निविदा सिर्फ ऑनलाईन ई–निविदा पोर्टल www.ireps.gov.in पर देखा व जमा किया जा सकता है।

SNP-521

हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

राज्य सहित मुंबई के नागरिकों को मिलेगी आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा-- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

लोकमान्य तिलक महानगरपालिका सामान्य अस्पताल का भव्य विस्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। लोकमान्य तिलक महानगरपालिका सामान्य अस्पताल के पुनर्विकास चरण-द्वितीय के भूमिपूजन के साथ मुंबई सहित राज्य के नागरिकों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वर्तमान में 1,900 बिस्तरों की क्षमता वाले इस अस्पताल में विस्तार के बाद 3,286 बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध होगी। अस्पताल में मुख्य इमारत, कैंसर विभाग, आपातकालीन सेवाएं तथा बाह्य रोगी विभाग का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर 2,500 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसका निर्माण कार्य वर्ष 2030 तक पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार और मुंबई महानगरपालिका हर नागरिक को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बृहन्मुंबई महानगरपालिका के शिव (सायन) स्थित लोकमान्य तिलक महानगरपालिका सामान्य अस्पताल के पुनर्विकास चरण-द्वितीय भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर महापौर

रितु तावड़े, विधायक कैप्टन तमिल आर. सेलवन, विधायक कालिदास कोलंबकर, विधायक प्रसाद लाड, विधायक सुनील शिंदे, उपमहापौर संजय घाड़ी, पूर्व महापौर किशोरी पेडणेकर, नगरसेवक, महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगरानी, अतिरिक्त आयुक्त (पश्चिम उपनगर) डॉ. विपिन शर्मा तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह अस्पताल वर्ष 1947 में केवल 60 बिस्तरों से शुरू हुआ था। आज इसकी क्षमता लगभग 1,900 बिस्तरों तक पहुंच गई है और विस्तार के बाद यह 3,286 बिस्तरों तक बढ़ेगी। एशिया के बड़े आघात चिकित्सा केंद्रों में से एक, मानव दूध बैंक तथा जलन पीड़ितों के लिए त्वचा बैंक जैसी सुविधाओं के कारण यह अस्पताल विशेष माना जाता है। बढ़ती रोगी संख्या के कारण अस्पताल पर बढ़ते दबाव को देखते हुए इसका आधुनिकीकरण और विस्तार आवश्यक था।

उन्होंने बताया कि लगभग 2,500 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में डॉक्टरों और नर्सों के लिए 25 मंजिला आवासीय भवन, 13 मंजिला कैंसर उपचार केंद्र, 15 मंजिला मुख्य अस्पताल भवन, 14 मंजिला आपातकालीन विभाग, 13 मंजिला बाह्य रोगी विभाग तथा 40 से अधिक शल्य चिकित्सा कक्ष बनाए जाएंगे। इसके साथ ही आधुनिक जांच सुविधाएं जैसे चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और संगणकीय टोमोग्राफी स्कैन भी उपलब्ध कराए जाएंगे। भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी और इस अस्पताल में आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा फुले जन आरोग्य योजना के अंतर्गत नागरिकों को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। लगभग 2,400 बीमारियों का निःशुल्क उपचार किया जाता है और 4,500 अस्पताल इन योजनाओं में सहभागी हैं। कुछ गंभीर बीमारियों के लिए 22 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। प्रधानमंत्री जन कल्याण योजना, महात्मा फुले जन आरोग्य योजना और मुंबई महानगरपालिका की स्वास्थ्य व्यवस्था के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि इस परियोजना को आगे बढ़ाने में विधायक कैप्टन तमिल आर. सेलवन द्वारा निरंतर किया गया प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

कॉर्पोरेट क्षेत्र और सामाजिक संस्थाओं के समन्वय से राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं होंगी अधिक सशक्त- सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य सरकार, निजी औद्योगिक क्षेत्र और सामाजिक संस्थाओं के आपसी समन्वय से राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा, ऐसा सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने बताया। सह्याद्री अतिथिगृह में आयोजित 'महाराष्ट्र प्रभाव और स्थिरता समन्वय कार्यक्रम' के अंतर्गत 'प्रभाव समन्वय' कार्यक्रम में वे बोल रहे थे। इस अवसर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव डॉ. निपुण विनायक, सचिव ई. रविंद्रन तथा परिवार कल्याण आयुक्त एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान की अभियान संचालक डॉ. कादंबरी बलकवडे उपस्थित थीं।

मंत्री आबिटकर ने कहा कि दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए कंपनियों के सामाजिक दायित्व का प्रभावी उपयोग आवश्यक है। आधारभूत सुविधाओं के निर्माण के लिए संस्थाओं का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। केवल औपचारिकता तक सीमित न रहकर यदि वास्तविक योगदान दिया जाए, तो स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के साथ निरंतर समन्वय बनाकर यदि सामाजिक दायित्व के अंतर्गत योजनाएं चलाई जाएं, तो राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनेंगी।

निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ सामाजिक दायित्व विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री आबिटकर ने बताया कि विभिन्न संस्थाएं यदि स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर कार्य करें, तो राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं में निश्चित रूप से सुधार होगा।

इस अवसर पर 'महाराष्ट्र में स्वास्थ्य सेवा वितरण का सशक्तिकरण' विषय पर सहयोगात्मक चर्चा आयोजित की गई। सरकार की प्राथमिक परियोजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए साझेदारी के अवसरों की समीक्षा की गई। विकास क्षेत्र की अग्रणी संस्थाओं ने अपने स्वास्थ्य संबंधी कार्यों की जानकारी दी तथा कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं, कमियों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला। साथ ही अधिक प्रभावी और विस्तार योग्य योजनाओं के संयुक्त चयन पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान हृदयाघात जैसी आपात स्थिति में तुरंत सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्वचालित बाह्य हृदय झटका यंत्र और जीवन रक्षक प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण के व्यापक प्रसार हेतु सरकार, संस्थाओं और नागरिकों द्वारा संयुक्त रूप से कार्य करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में नीति सलाहकार डॉ. संतोष भोसले ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की पृष्ठभूमि प्रस्तुत की। इसके बाद प्रधान सचिव डॉ. निपुण विनायक ने राज्य सरकार की स्वास्थ्य संबंधी दृष्टि और विभिन्न घटकों के बीच समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

महाराष्ट्र राज्य दिव्यांग निधि की स्थापना; 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था- सचिव तुकाराम मुंढे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य के दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 'महाराष्ट्र राज्य दिव्यांग निधि' की स्थापना को मंजूरी दी है। इस निधि के लिए प्रारंभिक रूप से 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इस निधि के माध्यम से दिव्यांगों के अधिकार आधारित, समावेशी और प्रभावी सशक्तिकरण को आर्थिक सहायता मिलेगी, ऐसी जानकारी दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के सचिव तुकाराम मुंढे ने दी।

सचिव तुकाराम मुंढे ने बताया कि दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम 2016 की धारा 88 के अनुसार यह निधि स्थापित की जा रही है, जो दिव्यांगों के अधिकार आधारित सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करेगी। राज्य सरकार ने दिव्यांग कल्याण विभाग का पुनर्गठन कर उसे 'दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग' का स्वरूप दिया है और अब कल्याण आधारित दृष्टिकोण के बजाय अधिकार आधारित व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाया जा रहा है।

नियमित योजनाओं से बाहर के कार्यों को प्राथमिकता

इस राज्य निधि के माध्यम से उन योजनाओं और उपक्रमों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो नियमित योजनाओं के दायरे में नहीं आते या धन की कमी के कारण अधूरे रह जाते हैं। पुनर्वास, रोजगार एवं आजीविका, कौशल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं,

सहायक उपकरणों की उपलब्धता तथा समुदाय आधारित समावेशी विकास जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

20 करोड़ रुपये की प्रारंभिक व्यवस्था

इस निधि के लिए राज्य सरकार द्वारा 20 करोड़ रुपये की प्रारंभिक व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त कंपनियों के सामाजिक दायित्व के अंतर्गत प्राप्त दान, अनुदान तथा अन्य स्रोतों से मिलने वाली राशि भी इस निधि में शामिल की जाएगी। विशेष रूप से सामाजिक दायित्व के माध्यम से अतिरिक्त धन जुटाने पर जोर दिया जाएगा।

निधि प्रबंधन के लिए नियामक मंडल

निधि के प्रभावी प्रबंधन के लिए अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव या सचिव (दिव्यांग सशक्तिकरण) की अध्यक्षता में एक नियामक मंडल का गठन किया गया है। इस मंडल में वित्त और नियोजन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सदस्य होंगे, जबकि आयुक्त (दिव्यांग सशक्तिकरण) सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे और निधि का संचालन संभालेंगे।

जिला से राज्य स्तर तक व्यवस्थित प्रक्रिया

निधि के उपयोग के लिए जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तर की समितियों से प्रस्ताव प्राप्त किए जाएंगे। इन प्रस्तावों की जांच आयुक्त (दिव्यांग सशक्तिकरण) द्वारा की जाएगी और फिर उनकी सिफारिशों के साथ प्रस्ताव विभाग के माध्यम से नियामक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। नियामक मंडल की स्वीकृति के बाद ही निधि का अंतिम उपयोग किया जाएगा, जिससे निधि का पारदर्शी, आवश्यकतानुसार और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

सिंधुदुर्ग में आम-काजू खेती के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित परियोजना लागू की जाएगी- मत्स्य व्यवसाय एवं बंदर मंत्री नितेश राणे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।सिंधुदुर्ग जिले में आम और काजू फसलों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक का उपयोग किया जाएगा। प्रारंभ में आम और काजू के लिए 200-200 किसानों का चयन कर परियोजना शुरू की जाएगी। इसमें आम और काजू उत्पादक किसानों को शामिल किया जाएगा, ऐसी जानकारी मत्स्य व्यवसाय एवं बंदर मंत्री नितेश राणे ने दी।

सिंधुदुर्ग जिले में आम और काजू फसलों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के संबंध में बारामती कृषि विज्ञान केंद्र के विषय विशेषज्ञ निलेश नलावडे ने प्रस्तुति दी। इस अवसर पर दापोली कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय भावे, संचालक (कृषि एवं नवाचार) डॉ. भूषण गोसावी, बारामती कृषि विज्ञान केंद्र के विषय विशेषज्ञ (मृदा विज्ञान) डॉ. विवेक भोईटे, प्रादेशिक फल अनुसंधान केंद्र वेंगुर्ला के सहयोगी अनुसंधान संचालक डॉ. वैभव शिंदे, नीति सलाहकार डॉ. संतोष देशमुख तथा वैज्ञानिक डॉ. संजनी सालुंखे उपस्थित थे। दूरदृश्य प्रणाली के माध्यम से सिंधुदुर्ग के जिलाधिकारी भी बैठक

में शामिल हुए।

मंत्री नितेश राणे ने कहा कि परियोजना के लिए किसानों का मूलभूत विवरण जैसे नाम, संपर्क क्रमांक, गांव आदि जानकारी एकत्रित कर उनकी खेती का डिजिटलीकरण किया जाएगा। प्रारंभिक 200 किसानों में परियोजना सफलतापूर्वक लागू होने के बाद इसे बड़े स्तर पर विस्तार दिया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि परियोजना सफल होने पर अन्य किसान भी स्वेच्छा से इस तकनीक को अपनाएंगे।

विशेषज्ञों ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत आवश्यक स्थानों पर सेंसर लगाए जाएंगे, जिनसे मिट्टी, पौधों और उत्पादन की स्थिति का परीक्षण किया जाएगा। किसानों को केवल प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। क्षेत्रवार समूह बनाकर प्रत्यक्ष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। परियोजना का पहला चरण लगभग 150 दिनों का होगा, जिसमें 20 से 25 किसानों के समूहों में कार्य किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि पारंपरिक पद्धति में 4 से 5 दिन लगने वाला छिड़काव कार्य ड्रोन की सहायता से कुछ ही घंटों में पूरा किया जा सकेगा, जिससे रोग नियंत्रण अधिक तेज और प्रभावी होगा। इसके साथ ही कृषि में यंत्रीकरण को भी बढ़ावा दिया जाएगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूर्वानुमान प्रणाली के माध्यम से फसलों में होने वाले रोगों का पहले ही पता लगाया जा सकेगा, जिससे अनावश्यक कीटनाशक उपयोग और कालाबाजारी पर नियंत्रण संभव होगा।

महाराष्ट्र का इतिहास और संस्कृति आकाश में जगमगाई

2,000 ड्रोन की सहायता से भगवान श्रीराम, छत्रपति शिवाजी महाराज और मुंबई के प्रसिद्ध स्थलों का आकाश में सजीव चित्रण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के सांस्कृतिक कार्य विभाग तथा राज्य सांस्कृतिक संचालनालय की ओर से श्रीराम नवमी और संत ज्ञानेश्वर महाराज की 750वीं जयंती के अवसर पर आजाद मैदान में भव्य ड्रोन प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत रात के अंधेरे आकाश में उड़ते ड्रोन द्वारा धनुषधारी भगवान श्रीराम की आकृति प्रस्तुत करने से हुई। इसके बाद जैसे ही आकाश में घोड़े पर सवार छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य छवि उभरी, उपस्थित जनसमूह ने 'छत्रपति शिवाजी महाराज की जय' के नारों से माहौल गुंजा दिया। इसके पश्चात छत्रपति संभाजी महाराज, महाराष्ट्र के किले, गणपति बाप्पा और संत ज्ञानेश्वर माउली की छवियां आकाश में प्रदर्शित की गईं, जिससे महाराष्ट्र के गौरवशाली इतिहास की झलक प्रस्तुत हुई।

इस समारोह में मुंबई शहर की पहचान को भी प्रभावी रूप से दर्शाया गया। गेटवे ऑफ इंडिया, बांद्रा-वर्ली समुद्री सेतु और ताज महल पैलेस होटल जैसे प्रमुख स्थलों की आकर्षक प्रस्तुति की गई। इसके साथ ही तेज गति से चलती आधुनिक रेलगाड़ी का दृश्य भी दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण रहा। लगभग 10 से 15 मिनट तक चले इस प्रदर्शन के दौरान आजाद मैदान में उपस्थित नागरिकों ने उत्साहपूर्वक तालियों के साथ प्रतिक्रिया दी।

इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्य मंत्री अधिवक्ता आशीष शेलार, राज्य के मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल, सांस्कृतिक कार्य विभाग के सचिव डॉ. किरण कुलकर्णी, सांस्कृतिक संचालनालय के संचालक श्रीराम पांडे तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर अधिवक्ता आशीष शेलार ने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, ऐतिहासिक विरासत और राष्ट्रीय गौरव को विश्व के सामने प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने का यह एक प्रयास है। महाराष्ट्र संतों और वीरों की भूमि है और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रेरणा से सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का कार्य निरंतर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में राज्य की संस्कृति को एक सशक्त पहचान के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

यह भी बताया गया कि इस कार्यक्रम की संकल्पना प्रसिद्ध संगीतकार पंडित हृदयनाथ मंगेशकर द्वारा की गई थी। इस अवसर पर संत ज्ञानेश्वर महाराज की 750वीं जयंती पर विशेष दृश्य प्रस्तुति भी दिखाई गई।

सांस्कृतिक कार्य विभाग के सचिव डॉ. किरण कुलकर्णी ने कहा कि राम नवमी की पृष्ठभूमि में आधुनिक माध्यमों के जरिए महाराष्ट्र की परंपरा और छत्रपति शिवाजी महाराज के पराक्रम को प्रस्तुत करने का यह एक अभिनव प्रयास है। आकाश के विस्तृत कैनवास पर इतिहास को जीवंत करने वाला यह आयोजन दर्शकों के लिए एक अद्वितीय अनुभव साबित हुआ। परंपरा और तकनीक के संगम से सजी यह प्रस्तुति मुंबईवासियों के लिए अविस्मरणीय रही।

मुंबई शहर जिला ग्रंथोत्सव उद्घाटन समारोह में मान्यवरों का आह्वान

'वाचन की रुचि बढ़ाएं, पुस्तक को मित्र बनाएं'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। ज्ञान, संस्कार और प्रेरणा देने वाली हर पुस्तक हमें कुछ न कुछ नया सिखाती है। यदि हम पुस्तकों से मित्रता कर लें तो कभी अकेलापन महसूस नहीं होता। पढ़ने की आदत जीवनभर साथ देने वाली और सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ाने वाली होती है, इसलिए विद्यार्थियों सहित सभी लोगों को पढ़ने में रुचि बढ़ाकर पुस्तकों को अपना मित्र बनाना चाहिए, ऐसा आह्वान मुंबई शहर जिला ग्रंथोत्सव के उद्घाटन समारोह में किया गया।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, ग्रंथालय संचालनालय, जिला ग्रंथालय अधिकारी कार्यालय मुंबई शहर तथा मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय दादर (पूर्व) मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय में दो दिवसीय मुंबई शहर ग्रंथोत्सव 2025 का आयोजन किया गया है।

इस ग्रंथोत्सव का उद्घाटन लेखक, चित्रकार एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश बाल जोशी के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रभारी ग्रंथालय संचालक अशोक गाडेकर, जिला ग्रंथालय अधिकारी शशिकांत काकड़, मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय के प्रमुख कार्यवाह रवींद्र गावड़े, बृहन्मुंबई जिला ग्रंथालय संघ की अध्यक्ष सुचिता मोरे, बृहन्मुंबई दक्षिण विभाग कार्यालय की शिक्षा निरीक्षक डॉ. वैशाली वीर, मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय की कार्याध्यक्ष शीतल करदेकर, उमा नाबर सहित साहित्य प्रेमी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

लेखक प्रकाश बाल जोशी ने कहा कि पढ़ना केवल जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह मन को समृद्ध करने और विचारों को नई दिशा देने वाला ऊर्जा स्रोत है। विद्यार्थियों को बचपन से ही पढ़ने की आदत विकसित करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रंथालय ने पढ़ने की परंपरा को संजोकर रखा है और ग्रंथोत्सव के माध्यम से पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। सुबह निकाली गई ग्रंथ यात्रा में बच्चों का उत्साह अत्यंत प्रेरणादायक था।

प्रभारी ग्रंथालय संचालक अशोक गाडेकर ने बताया कि राज्य में 11 हजार से अधिक सरकारी मान्यता प्राप्त सार्वजनिक ग्रंथालय हैं और इनके माध्यम से पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा हर वर्ष जिला स्तर पर ग्रंथोत्सव आयोजित कर इस संस्कृति को और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से ग्रंथोत्सव में लगाए गए पुस्तक प्रदर्शनों का लाभ लेने की अपील की।

शिक्षा निरीक्षक डॉ. वैशाली वीर ने विद्यार्थियों से कहा कि वे स्क्रीन के उपयोग से थोड़ा दूर रहकर पुस्तकों को अपना मित्र बनाएं। वहीं मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय के प्रमुख कार्यवाह रवींद्र गावड़े ने बताया कि राज्य सरकार ने ग्रंथालय में पुस्तकों के डिजिटलीकरण के लिए पांच करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत किया है।

जिला ग्रंथालय अधिकारी शशिकांत काकड़ ने दो दिवसीय कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि ग्रंथोत्सव पढ़ने की संस्कृति का उत्सव है। उन्होंने साहित्य प्रेमियों और विद्यार्थियों से अपील की कि वे इस आयोजन में शामिल होकर कम से कम एक पुस्तक अवश्य खरीदें और पढ़ने का आनंद लें।

इससे पूर्व ग्रंथ यात्रा निकाली गई, जिसमें विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सहभागी विद्यालयों का मान्यवरों द्वारा पुस्तकों के माध्यम से सम्मान भी किया गया।

'पल्स चिकित्सा सम्मेलन 2026' स्वास्थ्य क्षेत्र में परिवर्तन का मार्गदर्शक-राज्य मंत्री (चिकित्सा शिक्षा) माधुरी मिसाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने कहा कि 'पल्स चिकित्सा सम्मेलन 2026' केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के स्वास्थ्य क्षेत्र में परिवर्तन का मार्गदर्शक है। इस सम्मेलन में डॉ. लकड़ावाला ने रोबोट को निर्देश देकर नागपुर में आए एक मरीज की शल्य चिकित्सा की, जो आधुनिक तकनीक का महत्वपूर्ण उदाहरण है। इस तकनीक के माध्यम से सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में भी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने बताया कि सरकार आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और एक्यूपंक्चर जैसी पद्धतियों को आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ जोड़कर उपचार में व्यापक सुधार करने का प्रयास कर रही है। आयुष और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय से प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मानसिक रोगियों के लिए परामर्श अत्यंत आवश्यक है, इसलिए सभी अस्पतालों में इसके लिए विशेष केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

माधुरी मिसाल ने कहा कि महाराष्ट्र में उत्कृष्ट चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था, प्रतिभाशाली विद्यार्थी, विश्वस्तरीय शल्य चिकित्सक, उन्नत तकनीक और औषधि निर्माण उद्योग की मजबूत आधारभूत संरचना है। इस सम्मेलन के माध्यम से इन सभी को जोड़ने वाली श्रृंखला को और मजबूत किया जा रहा है। भारत में कुशल चिकित्सक और सस्ता उपचार बड़ी ताकत हैं, जो राज्य में बढ़ते चिकित्सा पर्यटन से स्पष्ट होता है।

उन्होंने कहा कि बढ़ती चिंता, अवसाद और तनाव को ध्यान में रखते हुए

सरकार समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष रूप से मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दे रही है।

रायगढ़ जिले में 1000 हेक्टेयर क्षेत्र में 'महा समेकित जीवन विज्ञान नगर' स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना के माध्यम से औषधि उद्योग, शिक्षा, अनुसंधान संस्थान और कौशल विकास को एक साथ जोड़ा जाएगा। इससे नवाचार, रोजगार सृजन और उद्योग के लिए तैयार मानव संसाधन को बढ़ावा मिलेगा।

दो दिवसीय इस सम्मेलन में विभिन्न सत्रों, विचार-विमर्श, प्रत्यक्ष शल्य चिकित्सा प्रदर्शन और शोध प्रस्तुतियों के माध्यम से ज्ञान का आदान-प्रदान किया जाएगा। कैंसर उपचार, रोबोटिक केंद्र, ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाएं तथा चिकित्सक और नर्सिंग शिक्षा को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही विदेशी संस्थानों के साथ सहयोग और चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने की भी योजना है।

माधुरी मिसाल ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के संयुक्त प्रयासों से महाराष्ट्र चिकित्सा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि सम्मेलन के दौरान चिकित्सा शिक्षा, विशेष उपचार सेवाएं, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी और विनिर्माण क्षेत्रों में कई समझौते और निवेश प्रस्ताव किए जाएंगे।

सम्पादकीय

गंभीर अपराध, हल्की धाराएं गुरुग्राम केस में सुप्रीम कोर्ट की कठोर टिप्पणी

किसी भी आपराधिक वारदात में पीड़ित को न्यायपालिका पर भरोसा होता है कि उसे न्याय जरूर मिलेगा। मगर इंसाफ तभी मिल पाता है, जब मामले की गंभीरता के मद्देनजर जांच-पड़ताल की जाए और अदालत में पुख्ता साक्ष्य प्रस्तुत किए जाएं। यह काम जांच एजंसियों का होता है, लेकिन कई बार ऐसा देखा गया है कि पुलिस या अन्य जांच एजंसियों के अधिकारी संगीन मामलों को भी गंभीरता से नहीं लेते हैं और हल्की धाराओं के तहत मामला दर्ज करते हैं। इसके पीछे या तो जांच अधिकारियों की लापरवाही होती है या फिर किसी बाहरी दबाव की वजह से मामले को कमजोर करने की मंशा छिपी होती है।

हरियाणा के गुरुग्राम में पिछले माह एक मासूम बच्ची के यौन उत्पीड़न के मामले में भी पुलिस का ऐसा ही रवैया सामने आया है। इस पर सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को कड़ा संज्ञान लेते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए और मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एक विशेष जांच दल गठित करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा कि इस मामले में पुलिस का रवैया शर्मनाक और असंवेदनशील रहा है, जो न्यायिक प्रक्रिया के लिए चिंताजनक है।

यह बात छिपी नहीं है कि सामान्य आपराधिक घटना में भी प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए पीड़ित पक्ष को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि कानून में अब शून्य पुलिस प्राथमिकी दर्ज कराने का प्रावधान है, इसके बावजूद अक्सर ऐसी खबरें आती रहती हैं कि घटनास्थल का किसी दूसरे थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने का हवाला देकर पुलिसकर्मी प्राथमिकी दर्ज करन से इनकार कर देते हैं। कई बार तो पुलिस के साथ जांच प्रक्रिया से जुड़े अन्य संस्थाओं के पदाधिकारियों का गठजोड़ भी सामने आता है। गुरुग्राम मामले में भी इस तरह की बातें सामने आई हैं।

पुलिस ने पाक्सो (यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी में गंभीर धारा लगाने की बजाय हल्की धारा लगाकर अपराध को कमतर दिखाने की कोशिश की। सर्वोच्च न्यायालय ने बच्ची के बयान पर अपना पक्ष पूरी तरह से बदलने के लिए एक निजी अस्पताल की चिकित्सक को भी फटकार लगाई और कहा कि उनका यह व्यवहार शर्मनाक है।

इसमें दोराय नहीं कि किसी भी अपराध में पीड़ित को इंसाफ दिलाने की जिम्मेदारी पुलिस और दूसरी संबंधित जांच एजंसी की होती है। मगर राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की एक रपट पर गौर करें, तो वर्ष 2018 से 2022 के दौरान बलात्कार के मामलों में दोषसिद्धि की दर 27-28 फीसद के बीच दर्ज की गई थी। वर्ष 2023 में यह दर घटकर 23 फीसद से भी कम रह गई। यानी बलात्कार के मामलों में कड़े कानूनी प्रावधानों का असर आरोपियों को सजा दिलाने में नजर नहीं आ रहा है। इसके पीछे मामलों की जांच में देरी, सबूतों का अभाव या गवाहों के मुकर जाने जैसे कई कारण हो सकते हैं, मगर इसके लिए सीधे तौर पर जवाबदेही पुलिस की ही बनती है।

शीर्ष अदालत ने गुरुग्राम मामले में स्थानीय बाल कल्याण समिति के सदस्यों की भूमिका पर भी सवाल उठाए और कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा कि क्यों न उन्हें पद से हटा दिया जाए। अदालत ने पुलिस के साथ-साथ समिति के आचरण को भी कठघरे में खड़ा किया। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद इस मामले की निष्पक्ष जांच होगी और पीड़ित बच्ची एवं उसके परिवार को जल्द इंसाफ मिलेगा।

उत्तर कोरिया : दिखावटी चुनाव में तानाशाह की फिर बल्ले-बल्ले

2 करोड़ 66 लाख आबादी वाले अघोषित गुलाम मुल्क उत्तर कोरिया में 15वें 'सुप्रीम पीपल्स असेंबली' के संपन्न दिखावटी चुनाव में भी किम जोंग उन ने एकतरफा जीत हासिल करके फिर से अपने तानाशाह होने का परिचय न सिर्फ अपने देशवासियों को, बल्कि समूचे संसार को दे दिया है। सभी 687 सीटों पर उनके समर्पित लोग जीते हैं। मौजूदा चुनाव में भी उनके सामने ना कोई विपक्ष था और न ही कोई विरोधी? चुनाव में उन्होंने उम्मीदवार के रूप में अपने चपरासी, नौकर, जीजा, बहनें और जी-हुजूरी करने पार्टी कार्यकर्ता-कर्मचारियों को टिकट देकर उतारा था। चुनाव में किम जोंग की दो छोटी बहनें किम यो-जोंग, चो सन-हुईन और जीजा किम नॉउ व योंग-वोन भी जीते हैं। गठित कैबिनेट में इन चारों को बड़ी जिम्मेदारी देंगे किम जोंग।

उत्तर कोरिया में चुनाव का मतलब केवल कोरियाई आवाम के अनुशासन को चेक करना और सरकारी डेटा को अपडेट करना मात्र होता है। वहां जनता अपनी पसंद का न उम्मीदवार चुन पाती है और न वोट कर सकती है। वोट न करना देशद्रोह माना जाता है। नार्थ कोरियाई लोग किम जोंन का आदेश किसी भी सूरत में नहीं टालते। अगर वो कहें कि आज सूरज पूरब से नहीं पश्चिम से उगेगा, तो देशवासियों को हाँ में ही जवाब देना होता है। जब वो हंसते हैं, तो सबको हंसना पड़ता है। घर से दो दिन किसी को नहीं निकलना है, तो कोई नहीं निकलता। लॉकडाउन जैसी स्थिति

वहां हो जाती है। ऐसी अजीबोगरीब शर्तों को नार्थ कोरियाई आवाम को न चाहते हुए भी मानना पड़ता है। उत्तर कोरियाई का संसदीय चुनाव का इतिहास 1948 से रहा है। तब, वहां श्रमिक पार्टी, चोंडो ईस्ट चांगु पार्टी, कोरियाई लोकतांत्रिक पार्टी, श्रमिक जन पार्टी, पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी व डेमोक्रेटिक इंडिपेंडेंट पार्टी की धूम होती थी। लेकिन अब सिर्फ और सिर्फ तानाशाह का ही चारों ओर बोलबाला है।

वहां, पिछला संसदीय चुनाव 10 मार्च 2019 को हुआ था। परंपरा प्रत्येक 5 साल बाद चुनाव कराने की है, लेकिन हुए 7 साल बाद हैं। इस चुनाव में आदेश था कि सभी सरकार के पक्ष में वोट करें, देशवासियों ने उनके आदेशानुसार वोट डाले। वोटर टर्नआउट 99.99 प्रतिशत रहा, जिनमें उनके पक्ष में रिकॉर्ड 99.93 प्रतिशत वोटिंग हुई। पंजीकृत मतदाताओं में केवल 0.0037 प्रतिशत वोटरों ने चुनावी प्रक्रिया में किसी कारण हिस्सा नहीं लिया जिनमें ज्यादातर ऐसे लोग बताए जाते हैं जो चुनाव के वक्त या देश से बाहर थे या हारी बीमारी से पीड़ित थे। सरकारी मीडिया एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक 516 लोगों ने वोट नहीं डाले, जिनकी खोज पड़ताल जारी है। खोजने पर उन्हें मौत की सजा सुनाई जाएगी। घरों की तलाशी जारी है, हाथ पर लगे निशान की जांच की जा रही है। कुल मिलाकर पूर्ववर्ती चुनावों की तरह इस बार भी तानाशाह शासक का बोलबाला पूरे संसदीय चुनाव के दौरान रहा।

गौरतलब है कि किम जोंग उन की 'वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया' लंबे समय से देश पर जबरिया काबिज है। भविष्य में उम्मीद भी नहीं दिखती, कि उन्हें या उनके पारिवारिक सदस्यों को कोई सत्ता से हटा भी पाएगा? क्योंकि उन्होंने व्यवस्था ही ऐसी बना रखी है। चुनाव में अगर कोई सरकारी कर्मचारी उनके पक्ष में वोट नहीं करता, उसे सेवा से बेदखल कर दिया जाता है। अगर पब्लिक ने वोट नहीं किया तो उस पर देशद्रोह का मुकदमा करके सरेआम कोड़ों से पीटा जाता है। नार्थ कोरिया में नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका या कोई ऐसे मुल्क जैसी व्यवस्था नहीं है कि विरोध में वहां के लोग 'जेन-जी' जैसा आंदोलन कर सके। ऐसा सपने में भी कोई नहीं सोच करता। सोचेगा तो उसे जिंदा गाड़ दिया जाता है। पिछले साल अगस्त-2025 का वाक्या है जब किम जोंन उन अपनी कैबिनेट की मीटिंग कर रहे थे, तभी बीच में एक कर्मचारी ने चाय पीने को लेकर उनसे पूछ लिया। सजा के तौर पर जोंन ने उनकी जुबान और दोनों हाथ कटवा दिए थे।

मौजूदा 2026 का आम चुनाव भी उत्तर कोरिया के अनूठे राजनीतिक ढांचे को दर्शाता है कि जहां हर निर्वाचन क्षेत्र में केवल एक ही उम्मीदवार होता है, जो किम के नेतृत्व वाली सत्ता द्वारा पहले से ही चुन लिया जाता है। मतदान में उत्तर कोरिया के वोटर्स को सिर्फ हां या ना कहने का अधिकार मिलता है। चुनाव में विपक्ष का उम्मीदवार खड़ा नहीं होता। नॉर्थ कोरिया वैश्विक पटल से तकरीबन कटा हुआ है। उसे न अर्थव्यवस्था से मतलब है और न ही किसी किस्म की तरक्की से? अपने मन की हुकुमत किम जोंन चलाते हैं। किम जोंन न किसी मुल्क का दौरा करते हैं और न उनके यहां कोई राष्ट्राध्यक्ष जाता है। एकाध मर्तबा कोई पहुंचा भी तो उसे सरेआम मारा-पीटा गया। कईयों को जान से भी हाथ धोना पड़ा? ग्लोबल स्तर पर बनीं तमाम कल्याणकारी समितियों का भी नॉर्थ कोरिया सदस्य नहीं है। उनके प्रतिनिधि भी कहीं प्रतिभाग नहीं करते।

नॉर्थ कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है। ब्लादीन पुतिन भी अपने जीते-जी सत्ता से नहीं हट सकते। इस दिशा में कुछ और भी राष्ट्रध्यक्ष चल पड़े हैं। तानाशाह शासक बेशक लोकतंत्र होने की दुहाई देते हों, लेकिन वो गुलाम बनाकर रखते हैं अपने आवाम को। नॉर्थ कोरियाई लोग कब तानाशाह से मुक्ति पाएंगे, ये सवाल भविष्य के गर्भ में सुरक्षित है। तारीख कौन सी मुकर्रर होगी, ये तो आने वाले समय ही बताएगा। नॉर्थ कोरियाई लोग ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। विश्व में जनसंख्या के मामले में 56वें स्थान पर है। 2.66 लाख वाले इस मुल्क के लोगों को आजादी की सुबह कब होगी नसीब उसकी दुआ पूरा संसार करता है।

जिंदगी की असली किताब
हर पन्ना एक याद, जो बीत गया वही हमें गढ़ता है

जीवन को ध्यान से देखा जाए, तो वह घटनाओं से नहीं, स्मृतियों से बनता है। जो घट चुका है, वह केवल अतीत नहीं बनता। वह हमारे भीतर कहीं ठहर जाता है। हम आगे बढ़ते रहते हैं, समय अपनी गति से चलता रहता है, पर स्मृतियां हमारे साथ चलती हैं, कभी छाया बनकर, कभी प्रकाश बनकर। वे शोर नहीं मचातीं, लेकिन हमारे निर्णयों, हमारे व्यवहार और हमारे भावों को चुपचाप आकार देती रहती हैं। जीवन की इस लंबी यात्रा में स्मृतियां ही वे रंग हैं, जो हमारे भीतर एक अदृश्य चित्र रचती हैं- कभी उजली, कभी गहरी, कभी हल्की, कभी भारी, लेकिन हमेशा अर्थपूर्ण।

बचपन की स्मृतियां उस चित्र की सबसे कोमल परत होती हैं। वे दिन, जब जीवन सरल था और मन निष्कपट। सुबह स्कूल जाने से पहले मां की आवाज और उसके जवाब में 'बस पांच मिनट' की मासूम जिद। खोई हुई पेंसिल पर बहाए गए आंसू और शिक्षक की एक मुस्कान, जो सब कुछ ठीक कर देती थी। गर्मी की छुट्टियों में नानी के घर की सुबहें, आंगन में नंगे पांव दौड़ना और शाम को खेल से लौटते समय मां की पुकार- ये स्मृतियां आज भी मन को उसी तरह सुकून देती हैं, जैसे कभी दिया करती थीं।

समय के साथ स्मृतियों का स्वर बदलने लगता है। विद्यार्थी जीवन में भविष्य को लेकर जन्म लेते सपने, पहली बार मंच पर बोलते समय कांपती आवाज, परीक्षा से पहले की बेचैन रातें- ये अनुभव भीतर कहीं स्थायी निशान छोड़ जाते हैं। हर कोशिश सफल नहीं होती, हर उम्मीद पूरी नहीं होती, लेकिन कोशिश करने का साहस हमारे भीतर जड़ें जमा लेता है। जैसे किसी पेड़ को फल देने से पहले मजबूत जड़ों की जरूरत होती है, वैसे ही ये अनुभव हमें धीरे-धीरे मजबूत बनाते हैं।

जीवन में मित्रता की स्मृतियां हमेशा हल्की धूप की तरह महसूस होती हैं। कालेज की कैंटीन में साझा की गई एक काफी, बिना वजह खींची गई तस्वीरें, देर रात तक चलने वाली बातचीत- ये पल जीवन को सहज बना देते हैं। कठिन समय में बिना सवाल पूछे साथ खड़ा दोस्त या उदासी में अचानक आया खुशखबरी का संदेश- ये छोटी-सी चीजें जीवन को रोशन कर देती हैं। समय और दूरी भले ही लोगों को अलग कर दे, लेकिन उनकी हंसी की गूंज स्मृतियों में हमेशा बनी रहती है।

कुछ स्मृतियां मौन में पनपती हैं। वे क्षण, जब शब्द कम और विचार अधिक होते हैं। बस की खिड़की से बाहर देखते हुए पुराने दिनों में खो जाना, किसी को फोन करने की इच्छा होकर भी न कर पाना, देर रात पुराने संदेशों को बार-बार पढ़ना- ये स्मृतियां शोर नहीं करतीं, लेकिन भीतर बहुत कुछ कह जाती हैं।

यही मौन कई बार हमें स्वयं

से मिलवाता है। और फिर जीवन हमें उन स्मृतियों से भी परिचित कराता है, जो पीड़ा लेकर आती हैं। किसी अपने की कठोर बात, बहुत चाहा हुआ अवसर हाथ से निकल जाना, या सही होते हुए भी अपनी बात न सुना पाना- इन क्षणों में दर्द गहरा होता है। लगता है जैसे सब कुछ बिखर गया हो, लेकिन समय के साथ वही पीड़ा हमें मजबूत बनाती है। वह हमें सावधान होना सिखाती है, अपनी कीमत पहचानना सिखाती है। ये स्मृतियां हमें तोड़ती नहीं, बल्कि गढ़ती हैं।

कुछ यादें जीवन की सबसे गहरी परतों में छिपी होती हैं। प्रिय व्यक्ति को खोने का दुख, टूटे हुए रिश्ते, या ऐसा दर्द जिसे शब्द नहीं मिलते। बाहर से मुस्कुराते हुए भीतर खालीपन ढोना, त्योहारों में भी मन का भारी रह जाना- ये अनुभव कठिन होते हैं, लेकिन निरर्थक नहीं। अंधेरा ही हमें प्रकाश का मूल्य समझाता है। इन्हीं स्मृतियों से संवेदनशीलता जन्म लेती है और भीतर एक नई शक्ति आकार लेती है। यह अंत नहीं होता, बल्कि भीतर से फिर उठ खड़े होने की शुरुआत होती है।

जैसे-जैसे जीवन आगे बढ़ता है, स्मृतियां जिम्मेदारी का रूप लेने लगती हैं। पहली बार घर के खर्च की चिंता, बड़ों की सेहत की जिम्मेदारी, या परिवार के लिए अपनी इच्छाओं को पीछे रखना- ये अनुभव जीवन की वास्तविकता से परिचय कराते हैं। पहली तनख्वाह से घर के लिए कुछ लाने की खुशी या थकान के बावजूद कर्तव्य निभाने के संतोष की स्मृति हमें जमीन से जोड़े रखती हैं।

कुछ स्मृतियां ऐसी होती हैं, जो समय के साथ और अधिक मूल्यवान होती जाती हैं। मां का निस्वार्थ त्याग, पिता की बिना कहे दी गई सुरक्षा, शिक्षक का एक विश्वासभरा वाक्य, या कठिन समय में किसी अनजान व्यक्ति की मदद। धीरे-धीरे समझ आता है कि जीवन की सच्ची संपत्ति पद, पैसा या उपलब्धियां नहीं, बल्कि यही स्मृतियां हैं, जो मन में कभी फीकी नहीं पड़तीं।

जीवन वास्तव में एक विशाल चित्र है और उसे रंग देती हैं हमारी स्मृतियां। हर रंग आवश्यक है- उजाला भी, छाया भी। केवल सुख की यादें नहीं, दुख की स्मृतियां भी हमें पूर्ण बनाती हैं। हम स्मृतियों को चुन नहीं सकते। वे जीवन की यात्रा में स्वयं जुड़ती जाती हैं। कुछ को हम सहेजकर रखते हैं, कुछ को भूलने की कोशिश करते हैं, लेकिन कोई भी स्मृति पूरी तरह मिटती नहीं।

कभी-कभी हम कहते हैं कि यह याद नहीं चाहिए, लेकिन पीछे मुड़कर देखने पर वही स्मृति हमें सही दिशा दिखाती हुई मिलती है। बिना पीड़ा के संवेदना अधूरी है, बिना मौन के आत्म-परिचय असंभव। जब सभी रंग एक साथ होते हैं, तभी जीवन का चित्र संपूर्ण बनता है। और शायद जीवन का अर्थ भी वहीं से शुरू होता है।

दुनिया भर के सम्मेलनों में पर्यावरण बचाने की बातें, युद्ध आते ही खामोश हो जाता है विमर्श

युद्ध के धुएं में गुम पर्यावरण के प्रश्न प्रीति अज्ञात आज के दौर में पर्यावरण की चर्चा इतनी व्यापक हो गई है कि इससे जुड़े शब्दों का एक अंतहीन जंगल बन गया है, जिसमें हर रास्ता पृथ्वी की चिंता तक ले जाता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलवायु परिवर्तन, कार्बन उत्सर्जन, जैव विविधता और सतत विकास जैसे शब्द बार-बार गूंजते हैं। सम्मेलनों में पृथ्वी को बचाने के संकल्प लिए जाते हैं, भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित ग्रह की कल्पना की जाती है और यह घोषणा की जाती है कि पर्यावरण संकट मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ा खतरा है। मगर जैसे ही कहीं युद्ध का नगाड़ा बजता है, यह पूरा विमर्श मानो अचानक मौन हो जाता है। धरती और इसके वातावरण की रक्षा की वह नैतिकता, जो शांति के दिनों में इतनी मुखर दिखाई देती है, युद्ध की आहट पाते ही धुएं में विलीन हो जाती है। तब पर्यावरण की चिंता पीछे छूट जाती है और सामने आ खड़ी होती है शक्ति, प्रभुत्व और भू-राजनीति की कठोर भाषा। यह आधुनिक सभ्यता की सबसे गहरी विडंबनाओं में से एक है।

पूरी दुनिया में प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुकी है। ऐसे में एक ओर वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को बचाने का आह्वान किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ विभिन्न देश धरती के वातावरण को बारूद से भर देने वाले युद्धों में उलझे हुए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका बड़ा उदाहरण है। लंबे समय से चल रहा यह संघर्ष केवल सैनिकों और शहरों के लिए त्रासदी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी एक गहरी चोट है। जब मिसाइलें तेल भंडारों, ऊर्जा संयंत्रों और रासायनिक कारखानों पर गिरती हैं, तो केवल इमारतें नहीं टूटतीं, हवा में विषैला धुआं फैलता है, नदियों में जहरीले पदार्थ घुलते हैं और मिट्टी की संरचना तक बदल जाती है। विडंबना यह है कि इस युद्ध में दुनिया की बड़ी ताकतें भी किसी न किसी रूप में इसके पीछे खड़ी दिखाई देती हैं। सैन्य सहायता, हथियारों की आपूर्ति और रणनीतिक समर्थन ने इस संघर्ष को लंबा और जटिल बना दिया है। यही वे देश हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पर्यावरण संरक्षण के सबसे मुखर प्रवक्ता भी हैं।

इसी तरह अब इजरायल-अमेरिका तथा ईरान ने भी युद्ध का मोर्चा खोल दिया है। इसने मध्य-पूर्व की धरती को एक बार फिर बारूद के ढेर पर खड़ा कर दिया है। इस संघर्ष में गाजा पट्टी से लेकर ईरान, इजरायल और खाड़ी क्षेत्र के अन्य देशों में हो रही बमबारी केवल मानवीय त्रासदी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के विनाश का कारण की भी बन रही है। गाजा की सीमित भूमि पर हजारों बमों की बरसात ने वहां मिट्टी को विषैला बना दिया है। बारूदी हमलों से जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं, समुद्री तट प्रदूषित हो रहे हैं और हवा में बारूद का जहर घुल रहा है। युद्ध का यह पर्यावरणीय पक्ष अक्सर मानवीय त्रासदी की विशालता के पीछे छिप जाता है, लेकिन उसका प्रभाव कहीं अधिक दीर्घकालिक होता है। इतिहास ऐसी घटनाओं की सच्चाई को उजागर करता है, लेकिन उससे कोई सबक नहीं लिया जाता। वर्ष 1991 के खाड़ी युद्ध के दौरान कुवैत के तेल कुओं में लगी आग ने महीनों तक आसमान को काले धुएं से ढक दिया था, जो केवल युद्ध नहीं, बल्कि पर्यावरण पर भी हमला था। इसी तरह वियतनाम

युद्ध में जंगलों को नष्ट करने के लिए 'एजंट आरेंज' जैसे रसायनों का प्रयोग किया गया, जिसने लाखों हेक्टेयर जंगल नष्ट कर दिए और वहां की धरती तथा हवा को जहरीला बना दिया।

युद्ध का हर विस्फोट केवल सैनिकों को नहीं मारता, वह धरती की छाती में भी एक घाव बनाता है। एक बम जब गिरता है, तो उसके साथ हजारों टन कार्बन वातावरण में फैल जाता है। टैंक और लड़ाकू विमान ईंधन की ऐसी खपत करते हैं, जिसकी कल्पना भी सामान्य जीवन में नहीं की जा सकती। यदि युद्ध के दौरान होने वाले कार्बन उत्सर्जन की सही गणना की जाए, तो शायद वह कई छोटे देशों के कुल वार्षिक उत्सर्जन से भी अधिक होगा। फिर भी अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलनों में इस विषय पर बहुत कम चर्चा होती है, क्योंकि युद्ध के समय नैतिक प्रश्नों को अक्सर राष्ट्रवाद की चादर से ढक दिया जाता है। पर्यावरण की बात करने वाले कई वैश्विक मंच भी इस विषय पर मौन साध लेते हैं। युद्ध और पर्यावरण के बीच का संबंध केवल प्रदूषण तक सीमित नहीं है। युद्ध प्राकृतिक संसाधनों के विनाश का भी कारण बनते हैं। जंगलों को काटकर सैन्य अड्डे बनाए जाते हैं और खनिज संपदाओं पर नियंत्रण के लिए संघर्ष छेड़े जाते हैं। इस दृष्टि से देखें, तो युद्ध और पर्यावरण संकट एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि पर्यावरण के नाम पर नैतिकता का पाठ वही देश पढ़ाते हैं, जिनकी सैन्य शक्ति सबसे अधिक है। वे विकासशील देशों को कार्बन उत्सर्जन कम करने की सलाह देते हैं, लेकिन अपने सैन्य उद्योगों के उत्सर्जन पर शायद ही कभी चर्चा करते हैं। यहां सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या पर्यावरण की चिंता केवल एक राजनीतिक औजार है? क्या यह गंभीरता तभी जागृत होती है, जब किसी विकासशील देश के उद्योगों पर सवाल उठाने हों? मगर पृथ्वी की वास्तविकता इससे कहीं अधिक व्यापक है। धरती किसी एक राष्ट्र की नहीं है। हवा, पानी, मिट्टी और जंगल पूरी मानवता की साझा धरोहर हैं।

जब किसी युद्ध में तेल के भंडार जलते हैं, तो उनका धुआं पूरी दुनिया के वातावरण में फैलता है। जब रासायनिक कारखाने नष्ट होते हैं, तो उनके विषैले अवशेष नदियों और समुद्रों तक पहुंच जाते हैं। इसलिए युद्ध को केवल राजनीतिक या सामरिक घटना के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह केवल मानवता का ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संकट का भी एक बड़ा कारण है। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि आज की दुनिया में युद्ध और पर्यावरण पर विमर्श एक साथ चल रहे हैं, मगर दोनों के बीच कोई वास्तविक संवाद नहीं है। एक तरफ जलवायु सम्मेलन हो रहे हैं, दूसरी तरफ हथियारों की दौड़ तेज होती जा रही है।

संभवतः मानव सभ्यता इतिहास के उस मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे यह तय करना होगा कि वह पृथ्वी को बचाना चाहती है या अपने अहंकार को, क्योंकि युद्ध उसी अहंकार की अभिव्यक्ति है, जो यह मानता है कि शक्ति ही सबसे बड़ा सत्य है। आज जलवायु परिवर्तन, असामान्य मौसम और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती संख्या हमें यही संकेत दे रही है कि पृथ्वी की सहनशीलता की भी एक सीमा है। यदि मानव सभ्यता सचमुच पृथ्वी को बचाना चाहती है, तो उसे केवल पर्यावरणीय नीतियों पर ही नहीं, बल्कि युद्ध की मानसिकता पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। जब तक राष्ट्र अपनी शक्ति का प्रदर्शन युद्ध के मैदानों में करते रहेंगे, तब तक पर्यावरण संरक्षण की सारी घोषणाएं शब्दों के जंगल से अधिक कुछ नहीं होंगी।

युद्ध पृथ्वी के उस संतुलन को नष्ट करते हैं, जिसे बनाने में प्रकृति को लाखों वर्ष लगे हैं। इसलिए पृथ्वी को बचाने की सबसे पहली शर्त ही यही है कि उसे युद्धभूमि बनने से रोका जाए। अन्यथा इतिहास यह लिखेगा कि मनुष्य ने पृथ्वी को बचाने के लिए असंख्य भाषण दिए, अनगिनत संकल्प लिए, लेकिन जब निर्णायक क्षण आया, तो उसने अपने ही हाथों से उस धरती की कोख में बारूद भर दिया, जिस पर मानव और मानवता का पूरा भविष्य टिका हुआ है।

किन्नर अखाड़े की प्रदेश अध्यक्ष ने जिला प्रशासन, सरकार से किया मांग

किन्नरों की हो जांच, गेस्टहाउस की वसूली पर लगे रोक : कल्याणीनंद गिरि

बस अड्डा, रेलवे स्टेशन पर वसूली करने वाले किन्नरों पर सख्ती से लगे रोक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। हाल में ही देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बांग्लादेशी किन्नरों के पकड़े जाने और जयपुर में नकली किन्नर का मामला उजागर होने के बाद किन्नर अखाड़े ने किन्नरों के वेरिफिकेशन की मांग केन्द्र सरकार, प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन से किया है। किन्नर अखाड़े की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरी (छोटी मां) ने जिला प्रशासन और सरकार से मांग किया है कि नकली किन्नरों की वजह से किन्नरों की छवि समाज और लोगों में बहुत अधिक खराब हो रही है इसलिए किन्नरों का शीघ्र सत्यापन कराया जाना चाहिए।

किन्नर अखाड़े की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरी (छोटी मां) ने कहा कि किन्नरों का मूल घर कहां पर है, वह कहां से, कैसे और कब यहां आये है, इसका भी पता लगाया जाना चाहिए।

महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरी ने यह भी मांग की है कि किन्नरों का मेडिकल भी होना चाहिए जिससे यह पता चल सके की कौन किन्नर है या फिर कौन बहरूपिया और नकली किन्नर है। उन्होंने कहा है कि जो नकली किन्नर बनकर घूम रहे हैं और लोगों से अवैध वसूली कर रहे हैं। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

किन्नर अखाड़े की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरी (छोटी मां) ने कहा है कि जो असली किन्नर है वह अपने यजमानों को बधाई और आशीर्वाद देने जाते हैं और बदले में उनसे कुछ दक्षिणा लेते हैं लेकिन

उन्हें वह कभी भी श्राप नहीं देते हैं लेकिन जो नकली किन्नर हैं वह जबरन अवैध वसूली करते हैं और मनमानी

रुपए ना देने पर गाली - गलौज और मारपीट तक करते हैं। ऐसे लोगों पर भी रोक लगनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि ट्रेनों और बसों में भी नकली किन्नर ही चलते हैं। इन पर भी रोक लगाई जानी चाहिए और उनकी भी जांच हो।

किन्नर अखाड़े की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरी ने कहा है कि किन्नरों को किसी के शादी, विवाह या बच्चों के जन्म होने पर एक बार ही बधाई लेने का अधिकार होना चाहिए। उन्होंने कहा है कि किन्नर जो शादी बारात घरों (गेस्टहाउस) में जाकर जबरन वसूली करते हैं इस पर भी रोक लगनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि सिर्फ एक बार शादी के बाद यजमान के घर जाकर बधाई लेने का किन्नरों को अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी यजमान के साथ कोई अवैध वसूली होती है। तो वह उन्हें भी शिकायत कर सकता है। इसके साथ ही पुलिस और प्रशासन की भी मदद मांग सकता है जिससे कि वह किसी बवाल / हंगामा से बच सकता है और ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सके।

यमुनानगर के थानों की मिशन शक्ति टीम द्वारा चलाया गया जागरूक अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति 5.0' फेज 2 अभियान, महिलाओं एवं बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संदेश देते हुए किया गया जागरूक।

पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया।

किन्नर अखाडा की प्रदेश अध्यक्ष ने नवनियुक्त भाजपा महामंत्री डा शैलेश पाण्डेय को दी बधाई

भाजपा कर रही सबका साथ, सबका विकास : कल्याणीनंद गिरि

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मां) ने कहा कि देश में भाजपा ही एक ऐसा राजनीतिक दल है जो सरकार में रहते हुए सभी जाति, वर्ग के लोगों का विकास कर रही है और सभी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्ग के लोगों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार सनातन धर्म और सनातनधर्मियों के लिए कार्य कर रही है जिससे सभी लोगों में नया उत्साह और उमंग है, सभी लोग सरकार के साथ है।

यह बातें किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मां) ने आज भाजपा के नवनियुक्त महामंत्री डा शैलेश कुमार पाण्डेय के रसूलाबाद स्थित आवास पर उनको बधाई देते हुए बुके देकर और अंगवस्त्रम् से सम्मानित किया। भाजपा के नवनियुक्त महामंत्री डा शैलेश कुमार पाण्डेय ने किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मां) को धन्यवाद देते हुए कहा कि सरकार सभी के विकास पर पूरा ध्यान दे रही है, योजनाओं का लाभ सभी को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महराज के नेतृत्व में देश, प्रदेश नित विकास के नये आयाम स्थापित कर रहा है। इस दौरान किन्नर संत तनुनंद गिरि, जगदीश, अजय कुमार चौरसिया, सर्वेश कुमार, रवीन्द्र कुमार सहित अन्य लोग थे।

दुर्गा सप्तशती का हुआ पाठ, एवं शतचंडी महायज्ञ हुआ संपन्न, मां कल्याणी ने दिए चतुर्भुजी रुप धारण कर माता सिद्ध दात्री के रुप में भक्तों को दर्शन

अधर्म का नाश और धर्म की विजय के लिया प्रभु श्री राम ने लिया जन्म : डा अनिरुद्ध जी महाराज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मां कल्याणी देवी मंदिर धाम में चल रहे नवरात्रि महोत्सव के नवमी दिवस पर प्रातःकाल 5 बजे महामंत्री पंडित श्याम जी पाठक ने विधि विधान पूर्वक मां कल्याणी जी का मंगला आरती कर माता सिद्ध दात्री का आह्वान किया। और दोपहर 2 बजे तक मां का दर्शन पूजन करने के लिए मंदिर प्रांगण में भक्तों की भारी भीड़ की कतार लगी रही और दर्शन पूजन के पश्चात भक्तो ने और शाम 6 बजे मां कल्याणी देवी का श्रृंगार दर्शन का पट भक्तों के लिए खोला गया और मां कल्याणी स्वर्ण आभूषणों से सुसज्जित चतुर्भुजी स्वरुप में हाथों में शंख चक्र गदा और पद्म धारण कर माता सिद्ध दात्री के स्वरूप में भक्तों को दर्शन दिया मां के अलौकिक रूप का श्रृंगार दर्शन प्राप्त कर भक्तगणों ने जोरदार जयकारा लगाया और पूरा कल्याणी देवी धाम मां के जयकारे से गूंज उठा शाम 7 बजे मां कि महाआरती और मध्य रात्रि 12: 30 शयन आरती अध्यक्ष पंडित सुशील कुमार पाठक जी के द्वारा विधिवत किया गया और इसके अलावा दोपहर 12 बजे मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया और कुंवारी कन्याओं का पूजन भोजन के पश्चात दुर्गा सप्तशती पाठ, एवं शतचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति संपन्न हुई और भंडारे का आयोजन किया।

मेले के प्रबंधन अध्यक्ष सुशील कुमार पाठक महामंत्री श्याम जी पाठक संयोजक अनिल पाठक, यज्ञाचार्य संतोषानंद महाराज, दिलीप पाठक, सुधीर सैकड़ो स्वयं सेवक एवं पुलिस के जवान तैनात रहे।

इस अवसर मां कल्याणी देवी मंदिर धाम के अंतर्गत श्री नवसंवत्सर मानस समिति के द्वारा आयोजित श्री राम कथा के अंतिम दिवस पर भक्तों को कथा का रसपान कराते हुए कथा व्यास डा अनिरुद्ध जी महाराज ने उत्तर कांड में वर्णित राम राज्याभिषेक का वर्णन किया और आगे राम जन्मोत्सव की कथा सुनाते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम कि जन्म अधर्म का नाश और धर्म की विजय के लिए अयोध्या की पावन धरा पर हुआ था। उन्होंने कहा कि हिंदुओं जागो श्री राम जन्मोत्सव का पर्व हमें एक जुट होने का संदेश देता है इसलिए हमें अपनी तीज त्यौहार सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखना होगा। कथा का संचालन प्रवक्ता ओंकार नाथ त्रिपाठी ने किया। इस अवसर कुमार नारायण पंडित कृष्ण कुमार पाठक, महामंत्री सुबोध खन्ना, पूर्व पार्षद विजय वैश्य, शिवबाबू त्रिपाठी, राजेश केसरवानी, मनोज टंडन, कुंवर जी टंडन, राजू यादव सहित सैकड़ों भक्तों ने आरती किया।

मेरे लिए सबसे पहले सुरक्षा जरूरी थी : सोनाक्षी बत्रा

प्रयागराज। ज़ी टीवी के शो 'जगद्धात्री' की अलग और दिलचस्प कहानी लगातार दर्शकों का दिल जीत रही है। शो की कहानी, खासकर जगद्धात्री की दोहरी ज़िंदगी, एक तरफ शांत और सरल लड़की और दूसरी तरफ निडर और साहसी रूप, दर्शकों को लगातार बांधे रखती है और सबको ये जानने की उत्सुकता रहती है कि आगे क्या होने वाला है।

अपरा मेहता की कलर्स पर वापसी से 'दो दुनिया एक दिल' में नया मोड़, बलदेव का अतीत होगा उजागर

प्रयागराज। ऑनलाइन पर्सोना और ऑफलाइन सच्चाई पर चल रही बहसों के बीच कलर्स का शो 'दो दुनिया एक दिल' आजकल टीवी पर सबसे ज़्यादा चर्चा में है। दर्शकों को दीवाना बना रहा है इसका वो पहलू, जिसमें यह दिखाया जाता है कि लोग पब्लिक में कैसे नज़र आते हैं, कैसे खुद को पेश करते हैं और कैसे जज किए जाते हैं, बनाम असल ज़िंदगी में वे कौन हैं। देखिए 'दो दुनिया एक दिल', सोमवार से शुक्रवार रात 9:00 बजे, सिर्फ़ कलर्स पर।

बायोलॉजी बोर्ड परीक्षा 2026 के बाद वाराणसी में छात्रों से मिलीं फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) फैकल्टी आरुषि तुली मैम

वाराणसी। परीक्षा के बाद एक सरप्राइज मुलाकात में, फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) की बायोलॉजी फैकल्टी आरुषि तुली मैम ने आज कामाच्छा रोड स्थित 'सेंट्रल हिंदू बॉयज स्कूल' का दौरा किया।

पतंजलि ऋषिकुल में 'अस्मिता- खेलो इंडिया' महिला वॉलीबॉल लीग का भव्य शुभारंभ

महिलाओं के खेल के क्षेत्र में आना समाज के लिए सकारात्मक संदेश : संजय शुक्ला

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मोबाइल, लैपटॉप के जमाने में खेल का बढा : नित्यानंद सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पतंजलि ऋषिकुल विद्यालय, तेलियरगंज में दो दिवसीय अंतरविद्यालयी खेल प्रतियोगिता 'अस्मिता- खेलो इंडिया' महिला वॉलीबॉल लीग-2026 प्रयागराज का उद्घाटन समारोह विद्यालय के क्रीड़ा मैदान में हर्षोल्लास के साथ आज हुआ। इस ओपन टूर्नामेंट में प्रयागराज जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं कॉलेजों से 16 टीमों ने वॉलीबॉल खेल में प्रतिभाग किया। प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के उन पांच प्रमुख शहरों में से एक है जहां इस राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इन पांचों शहरों से चयनित सर्वश्रेष्ठ टीमें आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व करेंगी।

खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि संजय शुक्ला थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि आरपी शुक्ला सचिव, जिला वालीबाल संघ प्रयागराज, बीईओ वरुण मिश्रा, केबीएल श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य नित्यानंद सिंह, पतंजलि नर्सरी स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती विभा श्रीवास्तव, अन्य विद्यालयों से आए हुए प्रधानाचार्य, 16 विद्यालयों एवं कॉलेजों से आए हुए पीटीआई और कोच, अभिभावकगण, शिक्षक/शिक्षिकाएं एवं छात्र / छात्राएं शामिल हुए। मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात् कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ।

विद्यालय के प्रधानाचार्य नित्यानंद सिंह ने मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की खेल गतिविधियों एवं छात्रों की उपलब्धियों की संक्षिप्त रिपोर्ट साझा की। उन्होंने खेलों के महत्व एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास में इस प्रतियोगिता की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मोबाइल, लैपटॉप के जमाने में खेल का महत्व और भी बढ़ गया है। खेल भावना वर्तमान में रहते हुए जीवन जीने की कला सिखाता है।

खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए पतंजलि ऋषिकुल के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत प्रेरणादायक गीत एवं नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि संजय शुक्ला ने कहा कि आज की नारी हर क्षेत्र में अग्रणी है और खेल के क्षेत्र में भी उसकी भागीदारी समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश है। उन्होंने छात्राओं को खेल भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय की उपाध्यक्ष डॉ. कृष्णा गुप्ता ने समस्त विद्यालय परिवार को इस अंतरविद्यालयी खेल प्रतियोगिता के कुशल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने खेल के महत्व को बताते हुए अनुशासन और परिश्रम पर बल दिया तथा समस्त विद्यालय परिवार को आगे हमेशा सफल होने की शुभकामना दी।

विद्यालय की निदेशक श्रीमती रेखा बैद एवं सचिव यशोवर्धन ने अपने संबोधन में छात्राओं द्वारा खेल प्रतिस्पर्धाओं में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने के उत्साह एवं लगन की सराहना की तथा सदैव उत्तरोत्तर उन्नति के मार्ग में आगे बढ़ते रहने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने समस्त विद्यालय परिवार को बधाई दी और भविष्य में भी खेलों के प्रति अपनी रुचि और उत्साह को बनाए रखकर निरंतर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी।

ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका का 6वां पुण्य स्मृति दिवस मनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ब्रह्माकुमारीज के मुख्य सेवा केंद्र, धनुहा, नैनी में ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी जानकी जी का 6वां पुण्य स्मृति दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी मनोरमा दीदी ने बताया कि 104 वर्ष की आयु को संपन्न करते हुए दादी जी ने संपूर्ण विश्व की मातृत्व से पालना की। दादी जी के संपर्क में आने वाला हर एक छोटा बड़ा या किसी भी धर्म का हो मां का सच्चा निस्वार्थ प्यार, ईश्वरी स्नेह सभी को अनुभव होता था।

सत्यता स्वच्छता सरलता और धैर्यता जैसे अनेक दिव्य गुणों की दादी जी मूर्ति थी। दादी जी का जन्म 1916 में अविभाजित भारत के सिंध हैदराबाद में एक आध्यात्मिक संपन्न परिवार में हुआ, वह 21 वर्ष की आयु में इस संस्था के संपर्क में आई और 14 वर्ष तक तपस्या की।

ईश्वरी आदेश अनुसार 1974 में विदेश सेवा अर्थ लंदन गई। विदेशी भाषा ना जानते हुए भी रूहानी प्यार से सभी रुकावटों को पार करते हुए। दुनिया के पांचो खंडो में 100 से अधिक देशों में परमात्मा शिव द्वारा सिखाए जा रहे राजयोग का संदेश दिया। संस्था से जुड़े हुए, भारी संख्या में दूर-दूर से आए लोगों ने दादी जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

चैत्र नवरात्रि महापर्व पर विशेष अखंड सतचंडी अनुष्ठान दशान्स पाठ सिद्ध संपन्न

विश्व में शांति, एकता को स्वामी हरिनारायण ने किया विशेष अखंड, सतचंडी अनुष्ठान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज प्रयागराज के अरैल, आराध्य तपोस्थली आश्रम पुणे महाराष्ट्र और सिद्धेश्वर पुरुषार्थ दंडी स्वामी बालक आश्रम अध्यक्ष चित्रकूट आश्रम में चैत्र नवरात्रि महापर्व के उपलक्ष में नवरात्रि के नवम दिवस पर आज नवमी एवं दशमी तिथि के विशेष अखंड सतचंडी अनुष्ठान दशान्स पाठ सिद्ध मंत्रो से अनुष्ठान का समापन किया। इस नव दिवसीय अनुष्ठान में विश्व कल्याण, शांति और मानव जाति के लिए निष्काम भाव से तपस्या की गई। स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज ने बताया कि यह अनुष्ठान ना केवल मां भगवती की सेवा और साधना के लिए है, बल्कि विश्व में शांति और एकता के लिए भी है। उन्होंने ईरान - अमेरिका, इजराइल जैसे चल रहे युद्ध का समापन और विश्व में शांति की प्रार्थना की। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म में अखंडता और एकता की कामना की। इस अवसर पर स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज ने कहा कि मां भगवती की साधना और अर्चना से विश्व में शांति और कल्याण हो सकता है। हमें अपने जीवन को निष्काम भाव से मां भगवती की सेवा में समर्पित करना चाहिए। अनुष्ठान के अंत में स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज ने सभी को मां भगवती का आशीर्वाद देने की प्रार्थना की और कहा कि आदिशक्ति जगत जननी मां भगवती जगदंबा की जय हो, जय मां भगवती, सभी का कल्याण करें।

76 वर्षीय बुजुर्ग को तेज रफ्तार दोपहिया वाहन ने मारी टक्कर, सीसीटीवी में कैद हुआ भीषण हादसा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई के गोरेगांव वेस्ट इलाके में हिट-एंड-रन मामले में 76 वर्षीय एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, यह घटना 22 मार्च की शाम करीब 6:40 बजे एमजी रोड पर हुई। पीड़ित की पहचान बाबूलाल चोपड़ा के रूप में हुई है, जो सड़क पार कर रहे थे तभी एक तेज रफ्तार स्कूटर ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्कूटर चालक मौके से फरार हो गया। यह पूरी घटना एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

तेज रफ्तार दोपहिया वाहन ने मारी टक्कर

घायल चोपड़ा को उनके परिजन तुरंत कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों के मुताबिक, सिर में गंभीर चोट और अधिक खून बहने के कारण उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। मेडिकल टीम उनके हालात पर नजर बनाए हुए है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश के लिए अभियान शुरू कर दिया है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि वाहन और आरोपी की पहचान की जा सके। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है।

मुंबई में बढ़े हिट एंड रन के मामले

मुंबई में हाल के दिनों में हिट-एंड-रन की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। पुलिस ने वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर हाल ही में सेंटौर होटल के पास हुए एक अन्य हादसे में शामिल वाहन की तलाश कर रही है। इस घटना में 24 वर्षीय बाइक सवार नीलकंठ इंगोले की मौत हो गई। एक अन्य मामले में 24 मार्च को कल्याण निवासी 42 वर्षीय व्यवसायी श्रीनिवास टांडेल की मौत हो गई। कथित रूप से 17 वर्षीय चालक ने कार से उनकी साइकिल को टक्कर मार दी। टांडेल ठाणे जिले के खड़कपाड़ा इलाके के रहने वाले थे और स्थानीय व्यापार जगत में एक प्रमुख नाम थे।

वडोदरा रेलवे स्टेशन पर डिजिटल लाउंज का उद्घाटन आज

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर और आधुनिक बनाने के निरंतर प्रयासों के तहत पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा वडोदरा स्टेशन पर एक अनोखा डिजिटल लाउंज तैयार किया गया है। इस नव निर्मित डिजिटल लाउंज का उद्घाटन 28 मार्च 2026 को माननीय सांसद डॉ. हेमांग जोशी द्वारा किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक नरेंद्र कुमार के अनुसार, यह भारतीय रेल का अपने प्रकार का दूसरा डिजिटल लाउंज है। इस लाउंज में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे यात्रियों को आरामदायक, उन्नत और विशेष प्रतीक्षा अनुभव प्राप्त होगा। इसमें आधुनिक बैठने की व्यवस्था, बैठक कक्ष, अल्पाहार की सुविधा तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है और भविष्य में भी इस प्रकार की आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जाता रहेगा।

सूरत स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित

मुंबई(संवाददाता) । सूरत स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या 2, 3 एवं 4 के बीच थ्रू रूफ लॉन्चिंग कार्य के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी। यह कार्य 30 मार्च, 2026 से प्रारंभ होकर 30 दिनों की अवधि तक जारी रहेगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रभावित ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. 30 मार्च से 28 अप्रैल, 2026 तक यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12935 बांद्रा टर्मिनस-सूरत सुपरफास्ट एक्सप्रेस सूरत के स्थान पर उधना स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

2. 02 अप्रैल से 26 अप्रैल, 2026 तक यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20925 सूरत-अमरावती सुपरफास्ट एक्सप्रेस उधना स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। अतः यह ट्रेन सूरत एवं उधना स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

3. 30 मार्च से 27 अप्रैल, 2026 तक यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20926 अमरावती-सूरत सुपरफास्ट एक्सप्रेस उधना स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। अतः यह ट्रेन उधना एवं सूरत स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

अंतर मंडल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में वडोदरा मंडल की लगातार तीसरी जीत

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल द्वारा प्रतापगंज स्थित ऑफिसर्स कॉलोनी के वॉलीबॉल मैदान में आयोजित अंतर मंडल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में वडोदरा मंडल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में मुंबई सेंट्रल मंडल को हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ वडोदरा मंडल ने लगातार तीसरी बार खिताब जीतकर हैट्रिक भी पूरी की। इस प्रतियोगिता में मुंबई सेंट्रल मंडल की टीम उपविजेता रही, जबकि रतलाम मंडल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान विभिन्न मंडलों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, टीम भावना और अनुशासन का परिचय दिया, जिसकी सभी उपस्थित लोगों ने सराहना की।

मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके ने विजेता टीम सहित सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के खेल आयोजन कर्मचारियों में खेल भावना, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम रेलवे भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजनों के माध्यम से कर्मचारियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रोत्साहित करता रहेगा।

महाराष्ट्र विधानसभा की सुरक्षा में बड़ी चूक, फर्जी प्रवेश पत्र गिरोह का पर्दाफाश

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

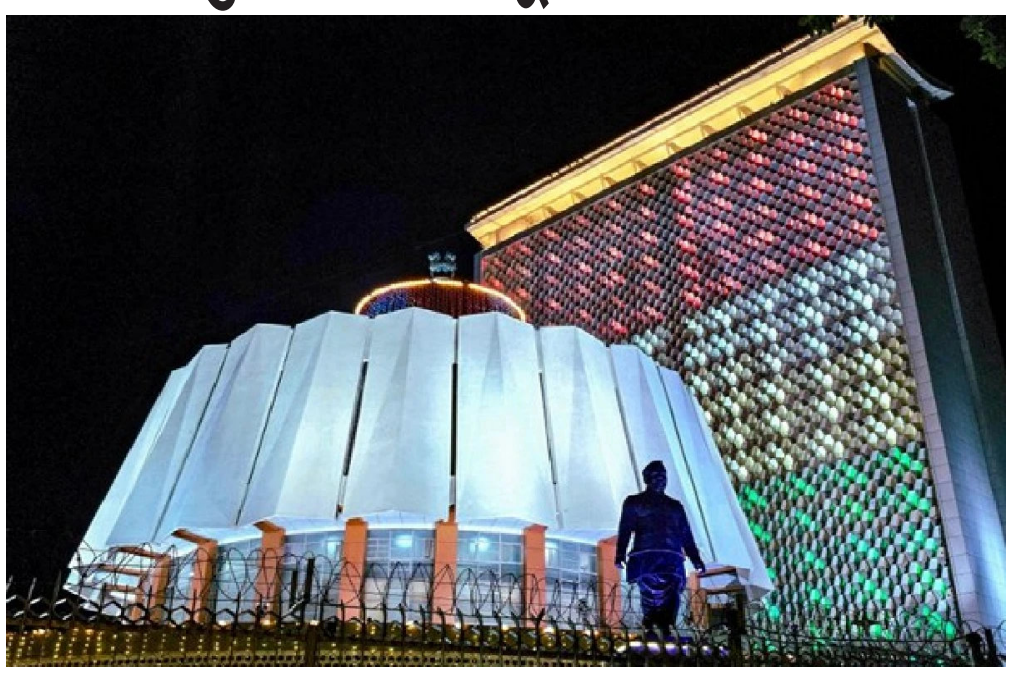

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस ने विधानसभा सत्र के दौरान फर्जी प्रवेश पत्र बनाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले ने विधानसभा की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में केशव गुंजल (53), गणपत भाऊ जावले (50), नागेश शिवाजी पाटिल (42), मनोज आनंद मोरबाले (40) और स्वप्निल रमेश तायडे (40) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इनमें से कुछ लोग मंत्रालय से जुड़े कर्मचारी भी बताए जा रहे हैं। यह मामला तब सामने आया जब एक शिकायत में अनधिकृत रूप से प्रवेश पत्र बांटे जाने की जानकारी मिली। इसके बाद मरीन ड्राइव पुलिस थाना ने जांच शुरू की और इस गिरोह का खुलासा किया।

राज्य मंत्री उदय सामंत ने भी विधानसभा सत्र के दौरान इस मुद्दे को उठाया था।

जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि फर्जी प्रवेश पत्र कैसे बनाए गए, किसने इन्हें मंजूरी दी और क्या इसमें किसी अंदरूनी व्यक्ति की भूमिका थी। पुलिस का मानना है कि इस मामले में और भी लोग शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश जारी है।

इस घटना के कारण विधानसभा सत्र के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं और जांच का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है।

इसके अलावा, महाराष्ट्र विधान परिषद ने एक अलग मामले में एक युवक के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, जिस पर एक विधायक के संबंध में भ्रामक खबर प्रसारित करने का आरोप है। युवक को सदन में उपस्थित होने के लिए कहा गया था, लेकिन अनुपस्थित रहने के कारण उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है।

रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रतलाम। उत्तर रेलवे जम्मू मंडल में ट्रैफिक ब्लॉक होने के कारण रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः-

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रभावित ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है–

1. 31 मार्च, 2026 को डॉ. अम्बेडकर नगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12919 डॉ. अम्बेडकर नगर श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा एक्सप्रेस, शहीद कैप्टन तुषार महाजन उधमपुर रेलवे स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा शहीद कैप्टन तुषार महाजन उधमपुर से श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा तक निरस्त रहेगी।

2. 31 मार्च, 2026 को हापा से चलने वाली गाड़ी संख्या 12475 हापा श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा एक्सप्रेस, शहीद कैप्टन तुषार महाजन उधमपुर रेलवे स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा शहीद कैप्टन तुषार महाजन उधमपुर से श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा तक निरस्त रहेगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in पर अवश्य देखें। इसके साथ ही रेलवन ऐप पर भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

लक्ष्मीबाई नगर (इंदौर) - श्रीगंगानगर के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए विशेष किराये पर लक्ष्मीबाई नगर (इंदौर) - श्रीगंगानगर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 04736/04735 लक्ष्मीबाई नगर (इंदौर) - श्रीगंगानगर साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 04736 प्रत्येक शुक्रवार को 03 अप्रैल 2026 से 10 जुलाई 2026 तक लक्ष्मीबाई नगर (इंदौर) से 13:55 बजे प्रस्थान कर रतलाम मंडल के फतेहाबाद (14:15/14:17), रतलाम (15:40/15:50), मंदसौर (16:56/16:58), नीमच (17.56/17.58) एवं चित्तौड़गढ़ (19.25/19.30), होते हुए शनिवार को 12:20 बजे श्रीगंगानगर पहुंचेगी। इसीप्रकार ट्रेन संख्या 04735 प्रत्येक गुरुवार 02 अप्रैल 2026 से 09 जुलाई 2026 तक श्रीगंगानगर से 12:50 बजे प्रस्थान कर रतलाम मंडल के चित्तौड़गढ़ (04.20/04.25), नीमच (05.28/05.30), मंदसौर (06:14/06:16), रतलाम (07:55/08:05), एवं फतेहाबाद (09:22/09:24) होते हुए शुक्रवार को 09:55 बजे लक्ष्मीबाई नगर (इंदौर) आयेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में फतेहाबाद, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, किशनगढ़, फुलेरा, रींगस, सीकर, लछमन गढ़ सीकर, फतेहपुर शेखावती, चूरू, सादुलपुर, तहसील भद्रा, नोहर, एलेनबाद, हनुमानगढ़, एवं सादुलशहर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकंड क्लास के कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04736 की बुकिंग 28.03.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना एवं समय की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर एवं रेलवन ऐप पर भी अवलोकन कर सकते हैं।

एलपीजी संकट के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपील!

प्लान-बी का प्लान-बी तैयार, होगा बड़ा विकल्प

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब आम लोगों की रसोई तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। इसी को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने संभावित एलपीजी संकट से निपटने के लिए पहले ही तैयारियां तेज कर दी हैं। सरकार ने वैकल्पिक ईंधन के तौर पर जलावन लकड़ी की व्यवस्था को सक्रिय करने का फैसला लिया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में आम जनता को परेशानी न हो।

प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में स्थित उत्तर प्रदेश वन निगम के 62 डिपो में फिलहाल करीब 12 हजार घन मीटर जलावन लकड़ी का भंडार मौजूद है। ये डिपो पूर्वांचल, पश्चिमी यूपी, तराई, बुंदेलखंड और अवध क्षेत्र में फैले हुए हैं। योजना के तहत जरूरतमंद लोगों को यह लकड़ी 6 से 7 रुपये प्रति किलो की दर से उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे रसोई ईंधन का सस्ता विकल्प मिल सके।

सरकार ने वितरण प्रणाली को पारदर्शी और नियंत्रित बनाए रखने के लिए सख्त नियम भी तय किए हैं। किसी भी व्यक्ति को एक महीने में अधिकतम 10 क्विंटल लकड़ी ही दी जाएगी। इसके लिए आधार कार्ड की कॉपी और मोबाइल नंबर देना अनिवार्य होगा, ताकि जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाई जा सके।

वन निगम के अधिकारियों का कहना है कि यह पूरी तैयारी एहतियात के तौर पर की जा रही है। अगर गैस की आपूर्ति बाधित होती है या कीमतों में अचानक उछाल आता है, तो लोगों को तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सकेगी। इसके अलावा, जरूरत पड़ने पर लकड़ी का स्टॉक बढ़ाने और अन्य श्रेणी की लकड़ी को भी जलावन में इस्तेमाल करने की योजना पर काम किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि समय रहते की गई ये तैयारी किसी भी संभावित संकट के दौरान आम जनता को राहत देने में अहम साबित होगी।

मोहनगंज में पेट्रोल पंप पर हंगामे के बाद प्राथमिकी दर्ज, 4 आरोपी गिरफ्तार

अमेठी (एजेंसी)। जिले के मोहनगंज थाना क्षेत्र स्थित एक पेट्रोल पंप पर हंगामे के बाद पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों और 20-25 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह विवाद बृहस्पतिवार को सुंदरी पेट्रोल पंप पर हुआ, जहां पेट्रोल-डीजल के लिए लंबी कतारें लगी थीं। सूचना मिलने पर मोहनगंज थाने के उप निरीक्षक सैयाम बाबू खां पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन वहां मौजूद कुछ लोगों ने पुलिस वाहन को घेर लिया और उसके बोनट पर चढ़कर हंगामा करने लगे।

उप निरीक्षक खां की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मोहनगंज के भेलाई कला निवासी सूफियान अहमद, अबू सैफ, अबू जैद, फैजान और मोहम्मद गजाली और 20-25 अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया। थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि सूफियान अहमद, अबू सैफ, फैजान और मोहम्मद गजाली को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को लगाया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद उस समय शुरू हुआ जब पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने कथित तौर पर कुछ ग्राहकों को पेट्रोल देने से मना कर दिया, जबकि अन्य को कंटेनर में ईंधन दिया जा रहा था। इस बीच, अमेठी के विशेषनगंज पेट्रोल पंप के मालिक अरुण सिंह ने दावा किया कि जिले में तेल की कोई कमी नहीं है, बल्कि अफवाहों के कारण लोग अधिक मात्रा में ईंधन भरवा रहे हैं।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, समाधान का दिया भरोसा

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान कमजोर वर्ग के लोगों को कतिपय दबंगों द्वारा डराने, धमकाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से दो टूक कहा, 'गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, ऐसे तत्वों के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए। यदि कोई अभियुक्त जमानत पर छूटने के बाद वादी को धमका रहा हो तो उसकी जमानत निरस्त कराने की कार्यवाही की जाए।'

गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश दिया और कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान, सरकार का संकल्प है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों को समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। अधिकारियों को निर्देशित करने के साथ ही सीएम योगी ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। अस्पताल से इलाज का एस्टीमेट मिलते ही सरकार धन उपलब्ध करा देगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने दुलारा और उन्हें चॉकलेट के साथ अपना आशीर्वाद भी दिया।

'लोग मेरी बैटिंग को भूल जाते हैं', पांच साल पहले अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले आरसीबी ऑलराउंडर का छलका दर्द

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। भारतीय और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने इस बारे में बात की कि कैसे उनकी बैटिंग को एक स्किल के तौर पर नजरअंदाज किया जाता है और कैसे उनका लक्ष्य अभी भी देश का प्रतिनिधित्व करना है जबकि उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच लगभग 5 साल पहले खेला था।

क्रुणाल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पॉडकास्ट के टीजर में बोल रहे थे और उनके शब्दों में दर्द साफ छलक रहा था। यह अनुभवी ऑलराउंडर आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स के खिलाफ 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहा था, जिसमें उसकी 2/17 की कसी हुई गेंदबाजी ने आरसीबी को उसका पहला छ्ब्ब खिताब जीतने में मदद की थी।

इस प्रतियोगिता के पिछले सीजन में क्रुणाल आरसीबी के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे जो तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (22 विकेट) के बाद थे। उन्होंने 15 मैचों में 22.29 की औसत से 17 विकेट लिए थे जिसमें उनकी पुरानी फ्रैंचाइजी, मुंबई इंडियंस के खिलाफ चार विकेट लेने का कारनामा भी शामिल था। बल्ले से क्रुणाल का प्रभाव सीमित था, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ उनका 73ङ का स्कोर (जब 163 रनों का पीछा करते हुए आरसीबी का स्कोर 26/3 था) आरसीबी के लिए उस सीजन के मुख्य आकर्षणों में से एक था और यह इस बात की एक शानदार झलक थी कि क्रुणाल बल्ले से क्या करने में सक्षम हैं। पिछले कुछ सालों में कम से कम आईपीएल में तो गेंद से क्रुणाल का प्रभाव बल्ले से ज्यादा रहा है। इससे पहले उनका पहला अर्धशतक काफी पहले, उनके डेब्यू सीजन 2016 में आया था जब दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ सिर्फ 37 गेंदों में 86 रनों की पारी।

पॉडकास्ट के टीजर के दौरान बोलते हुए क्रुणाल ने बताया कि कैसे उन्हें हर सीजन में एक अलग टैग दिया जाता रहा है। उन्होंने डीसी के खिलाफ उस मैच में अपनी 119 रनों की साझेदारी के बारे में भी बात की जिसने टीम के घर से बाहर (अवे मैचों में) अजेय रहने के सिलसिले को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, 'हर सीजन में मुझे अलग-अलग तरह से टैग किया गया है, है ना? शुरू में मैं एक बॉलिंग ऑल-राउंडर था। फिर कुछ जगहों पर मैं एक बैटिंग ऑल-राउंडर बन गया। बैटिंग मेरे दिल के बहुत करीब है। इसमें कोई शक नहीं है। जाहिर है कि दिल्ली के खिलाफ जब मैं अचानक बैटिंग करने गया जबकि मैंने पूरे टूर्नामेंट में बैटिंग नहीं की थी और उस समय मैदान पर उतरा जब हम 5 ओवर में 20 रन पर तीन विकेट गंवा चुके थे, और वहां से मैच जीतना और वह भी एक मुश्किल विकेट पर, यह काफी खास था। मैं 2000 रन के करीब हूं।

आईपीएल 2026 में किसके सिर सजेगी ऑरेंज और पर्पल कैप, आकाश चोपड़ा ने चुने दावेदार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले ऑरेंज कैप और पर्पल कैप सम्मान के लिए अपनी पसंद बताई है और इसके लिए पूरी तरह से भारतीय खिलाड़ियों को चुना है। आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत शनिवार से बेंगलुरु में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और बल्लेबाजी में मजबूत सनराइजर्स हैदराबाद के बीच एक जोरदार मुकाबले से होगी।

अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए आकाश ने युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल, जिन्होंने पहले ही एक-एक बार ऑरेंज कैप जीती है, इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों के तौर पर चुना। उनके साथ उन्होंने दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को भी चुना जिन्होंने यह प्रतिष्ठित कैप दो बार जीती है। उन्हें यह भी लगता है कि अगर दिल्ली कैपिटल्स टूर्नामेंट में काफी आगे तक जाती है, तो उनके ओपनर केएल राहुल भी इस दौड़ में शामिल हो सकते हैं।

चोपड़ा ने कहा, 'सच कहूँ तो ऑरेंज कैप आम तौर पर किसी ओपनर के सिर पर ही होती है। मुझे लगता है कि यह यशस्वी जायसवाल के लिए एक जबरदस्त सीजन हो सकता है, वही जबरदस्त सीजन जिसका आप इंतज़ार कर रहे थे। इसलिए मेरा झुकाव उनकी तरफ ज़्यादा है। दूसरा खिलाड़ी शुभमन गिल हो सकता है, क्योंकि शायद वह इस समय सबसे ज़्यादा भूखा (जीतने का इच्छुक) है।'

उन्होंने आगे कहा, 'तीसरा नाम ज़ाहिर तौर पर विराट कोहली का है क्योंकि आजकल वह लंबे समय तक क्रिकेट नहीं खेलते हैं। इसलिए विराट कोहली ऑरेंज कैप के विजेता बन सकते हैं। मुझे लगता है और मैं उम्मीद करता हूं कि इन तीनों में से ही कोई एक यह कैप जीतेगा। अगर दिल्ली टूर्नामेंट में आगे बढ़ती है, तो यह केएल राहुल के सिर पर भी हो सकती है।'

पर्पल कैप के बारे में उन्होंने कहा कि मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और कोलकाता नाइट राइडर्स के वरुण चक्रवर्ती इसके लिए सबसे आगे हैं। चोपड़ा ने कहा, 'जहां तक पर्पल कैप की बात है, तो मेरे दिमाग में दो नाम आते हैं। एक हैं जसप्रीत बुमराह और दूसरे हैं वरुण चक्रवर्ती। शायद इस बार मैं जसप्रीत बुमराह को ही चुनूंगा। अगर वह फिट रहते हैं, खेलने के लिए उपलब्ध रहते हैं और पूरा सीजन खेलते हैं तो वह छ्ब्ब के इस सीज़न में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन सकते हैं।'

ऑल-टाइम लो पर पहुंचा रुपया डॉलर के मुकाबले बड़ी गिरावट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय मुद्रा पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86 पैसे टूटकर 94.82 के नए ऑल-टाइम लो पर पहुंच गया। वेस्ट एशिया में जारी तनाव, महंगे कच्चे तेल और मजबूत डॉलर के चलते रुपया दबाव में बना हुआ है।

इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में रुपया 94.18 पर खुला और दिन के दौरान लगातार फिसलता हुआ 94.70 तक पहुंच गया। इससे पहले बुधवार को यह 93.96 के स्तर पर बंद हुआ था। गुरुवार को राम नवमी के कारण बाजार बंद रहे।

फॉरेक्स बाजार के जानकारों के मुताबिक, घरेलू शेयर बाजार में गिरावट और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से रुपए पर दबाव बढ़ा है। इसके अलावा इंपोर्टर्स और तेल कंपनियों की तरफ से डॉलर की मजबूत मांग देखी जा रही है, जबकि एक्सपोर्टर्स फिलहाल डॉलर की बिक्री से बच रहे हैं।

डॉलर इंडेक्स भी मजबूत बना हुआ है, जबकि ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बना हुआ है। ईरान-इजरायल तनाव और होर्मुज़ स्ट्रेट को लेकर अनिश्चितता ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है।

रुपए की गिरावट को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक स्पॉट, फॉरवर्ड और ऑफशोर मार्केट में डॉलर बेचकर हस्तक्षेप कर रहा है। मार्च में केंद्रीय बैंक ने करीब 15 अरब डॉलर की बिक्री की है, ताकि रुपए को सहारा मिल सके।

इस बीच गोल्डमैन साच्स ने भी भारत के लिए महंगाई अनुमान बढ़ाया है और जीडीपी ग्रोथ में कटौती की है। साथ ही 2026 में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना जताई है। रुपए की कमजोरी का असर बॉन्ड मार्केट पर भी दिखा है। 10 साल की सरकारी बॉन्ड यील्ड बढ़कर 7इ के करीब पहुंच गई है, जो निवेशकों की चिंता को दर्शाता है।

तेल संकट के बीच सरकार सख्त, डीजल-एटीएफ पर विंडफॉल टैक्स की हर 15 दिन समीक्षा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के बीच केंद्र सरकार ने ईंधन नीति को लेकर बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के चेयरमैन विवेक चतुर्वेदी ने कहा है कि डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) पर लगाए गए विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क यानी विंडफॉल टैक्स की हर 15 दिन में समीक्षा की जाएगी।

सरकार ने डीजल पर ?21.5 प्रति लीटर और एटीएफ ऊइ पर ?29.5 प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया है, ताकि घरेलू बाजार में इनकी उपलब्धता बनी रहे। इस कदम से पहले पखवाड़े में करीब ?1, 500 करोड़ के राजस्व का अनुमान है।

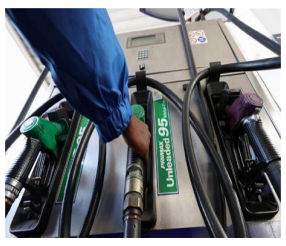

सरकार ने आम लोगों को महंगाई से राहत देने के लिए पेट्रोल और डीजल पर ?10-?10 प्रति लीटर की एक्साइज ड्यूटी घटाई है। इस फैसले से अगले 15 दिनों में करीब ?7, 000 करोड़ के राजस्व नुकसान का अनुमान है लेकिन इसका मकसद तेल कंपनियों की अंडर-रिकवरी कम करना और कीमतों को स्थिर रखना है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल–जो 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं–के कारण तेल कंपनियों पर दबाव बढ़ा है। इससे पहले कीमतें 119 डॉलर प्रति बैरल तक भी गई थीं।

हालांकि अंतरराष्ट्रीय कीमतें ऊंची बनी हुई हैं लेकिन सरकारी तेल कंपनियों ने फिलहाल पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखा है। वहीं निजी कंपनियों ने कुछ जगहों पर कीमतों में बढ़ोतरी भी की है।

ट्रांसजेंडर महिलाएं नहीं ले पाएंगी ओलंपिक में हिस्सा, पेरिस खेलों में हुआ था विवाद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने ट्रांसजेंडर महिलाओं और डिफरेंसेज इन सेक्स डेवलपमेंट एथलीटों को ओलंपिक में महिला कैटेगरी में हिस्सा लेने पर रोक लगा दिया। इस फैसले की घोषणा करते हुए आईओसी के अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने कहा कि जैविक रूप से पुरुषों का महिला वर्ग में हिस्सा लेना सही नहीं होगा। आईओसी ने ये भी कहा कि ओलंपिक में महिला कैटेगरी में हिस्सा लेने वाली एथलीट्स को एक बार एसआरवाई जीन स्क्रीनिंग करवानी होगी। ये बायोलॉजिकल महिलाओं पर भी लागू होगा। आईओसी ने कहा कि एसआरवाई जीन स्क्रीनिंग लार, गाल के स्वैब या ब्लड सैंपल से की जाएगी। उसे उम्मीद है कि सभी अंतर्राष्ट्रीय फेडरेशन और नेशनल ओलंपिक कमेटियां, साथ ही कॉन्टिनेंटल एसोसिएशन भी इस पॉलिसी को अपनाएंगे और लागू करेंगे। ज्यादा टेस्टोस्टेरोन लेवल या एक्सवाई क्रोमोसोम वाले एथलीटों के हिस्सा लेने से 2024 पेरिस ओलंपिक में बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

अल्जीरिया के बॉक्सर ईमान खलीफ और चीनी ताइपे की बॉक्सर लिन यू-टिंग ने अपनी-अपनी कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीते। दोनों बॉक्सरों पर खेलों से पहले जेंडर टेस्ट में फेल होने का आरोप लगा था। खलीफ खासकर तब चर्चा में आए जब इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन ने दावा किया कि अल्जीरियाई बॉक्सर नई दिल्ली में 2023 वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप के दौरान जेंडर टेस्ट में फेल हो गए थे। एक दशक से ज्यादा समय से अंतर्राष्ट्रीय खेल महिला कैटेगरी में ट्रांसजेंडर और डीएसडी एथलीटों की भागीदारी के मुद्दे से जूझ रहे हैं। 2021 में न्यूजीलैंड की वेटलिफ्टर लॉरेज हबर्ड ओलंपिक में महिला कैटेगरी में हिस्सा लेने वाली पहली ट्रांसजेंडर महिला बनीं। आईओसी ने गुरुवार को ओलंपिक में महिला कैटेगरी को बचाने के लिए एक नई पॉलिसी में इन फैसलों की घोषणा की। वैश्विक निकाय ने कहा कि उसने प्रभावित एथलीटों के साथ व्यक्तिगत तौर पर परामर्श किया था और आईओसी की एथलीट कमेटी से सलाह ली थी।

एलपीजी पर बड़ी राहत सरकार ने कमर्शियल सप्लाई बढ़ाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। खाड़ी देशों में जारी युद्ध और हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में बाधा के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिसका असर भारत में कमर्शियल एलपीजी सप्लाई पर भी पड़ा। हालांकि अब सरकार ने स्थिति को संभालते हुए बड़ा कदम उठाया है और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के लिए कमर्शियल एलपीजी का आवंटन बढ़ाकर 70इ कर दिया है।

केंद्र सरकार ने कमर्शियल एलपीजी के आवंटन में 20इ की अतिरिक्त वृद्धि की है। इससे पहले यह आपूर्ति संकट-पूर्व स्तर के 50इ तक सीमित थी, जो अब बढ़कर 70इ तक पहुंच गई है। पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने राज्यों के मुख्य सचिवों को निर्देश दिया है कि इस अतिरिक्त गैस का उपयोग प्राथमिकता वाले उद्योगों को दिया जाए।

शुरुआती दौर में सरकार ने कमर्शियल गैस सप्लाई में कटौती की थी ताकि घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता प्रभावित न हो। इस रणनीति के चलते होटल, ढाबे और अन्य व्यावसायिक इकाइयों को कुछ समय के लिए कमी का सामना करना पड़ा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के अनुसार, अतिरिक्त गैस आवंटन का फोकस स्टील, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, केमिकल और प्लास्टिक जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों पर रहेगा। साथ ही रेस्तरां, होटल और कम्युनिटी किचन को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

पीएसएल के पहले ही मैच में पाकिस्तान को होना पड़ा शर्मिंदा, मैच के दौरान अपने आप बदल गेंद का रंग

लाहौर **(एजेंसी)**। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के उद्घाटन मैच में लाहौर कलंदर्स के खिलाफ हैदराबाद किंग्समेन की किट की वजह से गेंद बदलने की एक बहुत ही अजीब घटना सामने आई। हैदराबाद किंग्समेन के खिलाड़ियों के पैड्स से रंग निकलकर सफेद गेंद पर लग गया जिससे गेंद का रंग सफेद से बदलकर गुलाबी जैसा हो गया। इस कारण पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के पहले ही मैच में पाकिस्तान को शर्मिंदा होना पड़ा।

गुरुवार को मरून रंग की किट पहने किंग्समेन की टीम लाहौर के खिलाफ 100 रनों का पीछा कर रही थी। 15वें ओवर के दौरान गेंद बदलनी पड़ी क्योंकि उस पर खिलाड़ियों के पैड्स का रंग लग गया था, जिससे बल्लेबाजों के लिए गेंद की गति और दिशा का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया था। किंग्समेन के कप्तान और ऑस्ट्रेलियाई स्टार मार्नस लाबुशेन ने दूसरे ओवर में ही इस मुद्दे को अंपायरों के सामने उठाया था और पावरप्ले खत्म होने तक प्रेस बॉक्स में बैठे लोगों को भी गेंद गुलाबी रंग की दिखाई देने लगी।

इन सब बातों के बावजूद मैच काफी देर तक उसी गेंद से चलता रहा और 15वें ओवर में जाकर कहीं गेंद बदली गई। मैच के बाद लाबुशेन ने कहा, 'मैंने दूसरे ओवर के बाद ही अंपायरों से कहा था, 'यह क्या हो रहा है? गेंद तो पूरी तरह से लाल हो गई है।' उन्होंने आगे कहा, 'जाहिर है, यह कपड़ों या ऐसी ही किसी चीज की वजह से हुआ होगा। मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा, लेकिन मैंने गेंद पर पैड्स के पेंट या बल्ले से कोई रंग लगते हुए जरूर देखा है। मुझे पूरा यकीन है कि रविवार को हमारे अगले मैच से पहले हम इस समस्या को सुलझा लेंगे।'

किंग्समेन के कप्तान ने यह भी बताया कि अंपायरों को इस बात पर कोई आपत्ति नहीं थी कि टीम बाकी टूर्नामेंट में भी उसी किट का इस्तेमाल करे। लाहौर कलंदर्स के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने कहा कि हो सकता है कि गेंद पर स्टैंड्स में लगी सीटों का रंग लग गया हो, जिनका रंग हरा और सफेद था। मैच के बाद बात करते हुए रऊफ ने कहा, 'मुझे पक्का नहीं पता कि गेंद किसने बदली। हम यह पता नहीं लगा सकते कि ऐसा किट की वजह से हुआ या नहीं। हो सकता है कि यह सीटों की वजह से हुआ हो, क्योंकि गेंद कई बार मैदान से बाहर चली गई थी। जब तक बल्लेबाजों को गेंद साफ दिखती रही, वे बल्लेबाजी करते रहे। हो सकता है कि जब गेंद को पहचानना मुश्किल हो गया हो, तब उन्होंने उसे बदल दिया हो। अगर मैं बल्लेबाजी करने क्रीज पर जाता, तो मैं पहली ही गेंद पर उसे बदलवा देता।'

ट्रंप के बयान के बावजूद शेयर बाजार में क्यों मचा हाहाकार, सेंसेक्स 1690 अंक टूटा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में तनाव कम होने के संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को लाल निशान पर बंद हुआ। डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान के बाद जहां होर्मुज स्ट्रेट को लेकर कुछ राहत की उम्मीद जगी, वहीं क्रूड ऑयल करीब 1इ गिरा लेकिन इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर नहीं दिखा।

सेंसेक्स 1690.23 अंक टूटकर 73, 583.22 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 486.85 अंक गिरकर 22, 819.60 के स्तर पर बंद हुआ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज में करीब 2.77इ की गिरावट ने बाजार पर सबसे ज्यादा दबाव डाला। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक और अन्य दिग्गज शेयरों में भी 2-2.5इ तक की गिरावट दर्ज की गई।

विशेषज्ञों के अनुसार, भले ही तनाव कम होने के संकेत मिले हैं लेकिन भू-राजनीतिक अनिश्चितता अभी खत्म नहीं हुई है। साथ ही कच्चा तेल अभी भी 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बना हुआ है, जो भारत जैसे आयातक देश के लिए चिंता का विषय है।

रामनवमी के चलते गुरुवार को भारतीय बाजार बंद था, जबकि ग्लोबल मार्केट्स में गिरावट आई थी जिसका असर शुक्रवार को घरेलू बाजार पर दिखा।

हैरी पॉटर टीवी सीरीज का टीजर रिलीज क्रिसमस में नए दिखाए संग लौटेगा पुराना जादू

लंबे इंतजार और कास्टिंग को लेकर सस्पेंस के बाद, हैरी, रॉन और हरमाइन एक बार फिर स्क्रीन पर लौट रहे हैं। एचबीओ ने नई 'हैरी पॉटर' टीवी सीरीज का पहला टीजर रिलीज कर दिया है। यह शो क्रिसमस 2026 में रिलीज होगा, जो कि उम्मीद से काफी पहले है।

इस शो का पहला सीजन जेके रोलिंग की पहली किताब, 'हैरी पॉटर एंड द फिलॉसफर्स स्टोन' पर आधारित होगा। इसमें हम हैरी और उसके दोस्तों को 11 साल के बच्चों के रूप में पहली बार हॉगवर्ट्स की जादुई ट्रेन में मिलते हुए देखेंगे।

दो मिनट के इस ट्रेलर में 2001 की मशहूर फिल्म के कई खास पलों की झलक मिलती है। इसमें हैरी की हैग्रिड से पहली मुलाकात, सॉर्टिंग हैट का सीन और उसका पहला क्विडिच मैच दिखाया गया है। मुख्य भूमिकाओं के लिए नए कलाकारों को चुना गया है। डोमिनिक मैकलॉघलिन हैरी पॉटर, अराबेला स्टैंटन हरमाइन ग्रेंजर और एलेस्टेयर स्टाउट रॉन वीजली की भूमिका निभाते दिखेंगे।

बड़े किरदारों में जॉन लिथगो डंबलडोर के रूप में और पापा एस्सिडू प्रोफेसर स्नेप के रूप में नजर आएंगे। इस सीरीज को 'सक्सेशन' फेम फ्रांसेस्का गार्डिनर संभाल रही हैं और इसकी शूटिंग इंग्लैंड के लीव्सडेन स्टूडियो में बेहद कड़ी सुरक्षा के बीच चल रही है। यह सिर्फ एक रीमेक नहीं है, बल्कि किताबों पर आधारित एक गहरी और लंबी सीरीज होगी। वार्नर ब्रदर्स के अधिकारियों का मानना है कि यह स्ट्रीमिंग इतिहास की सबसे बड़ी घटना साबित होगी। फिल्मों के मुकाबले इस शो में किताबों की छोटी-छोटी कहानियों और किरदारों को ज्यादा विस्तार से दिखाया जाएगा।

ओरिजिनल फिल्म के स्टार डेनियल रैडक्लिफ ने भी नए कलाकार डोमिनिक की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि डोमिनिक इस रोल को उनसे भी बेहतर तरीके से निभाएंगे।

प्रोफेसर स्नेप के रोल के लिए एक ब्लैक एक्टर, पापा एस्सिडू, को चुने जाने पर कुछ फैंस सोशल मीडिया पर विरोध कर रहे हैं। एस्सिडू ने बताया कि उन्हें इस रोल की वजह से जान से मारने की धमकियाँ तक मिली हैं। उन्होंने कहा कि यह दुखद है, लेकिन वह इस नफरत का इस्तेमाल अपनी एक्टिंग को बेहतर बनाने के लिए करेंगे। उनका कहना है कि हैरी पॉटर की कहानी ही नफरत पर प्यार की जीत के बारे में है, और वह इसी संदेश के साथ काम कर रहे हैं।

किताबों की लेखिका जेके रोलिंग इस सीरीज की एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। उनके कुछ निजी बयानों की वजह से सोशल मीडिया पर उनका विरोध होता रहा है, लेकिन एचबीओ के अधिकारियों ने उनका बचाव किया है। उनका कहना है कि रोलिंग के अपने निजी और राजनीतिक विचार हो सकते हैं, लेकिन शो की कहानी पर इसका कोई गलत असर नहीं पड़ेगा।

जब स्टेज पर अचानक गिरे दांत, मिस ग्रैंड थाईलैंड कंटेस्टेंट ने यूं संभाला कि वीडियो हो गया वायरल

एक हैरान कर देने वाले वाकये ने सोशल मीडिया पर सबका ध्यान खींच लिया है, जब मिस ग्रैंड थाईलैंड की कंटेस्टेंट कमोलवान चनागो के दांत लाइव शो के दौरान गिर गए। बुधवार को पेजेंट के शुरुआती मुकाबले में मिस ग्रैंड पाथुम थानी, कमोलवान चनागो अपना परिचय दे रही थीं, तभी अचानक उनके विनियर (नकली दांत) फिसलकर नीचे गिर गए।

ब्यूटी पेजेंट के दौरान कमोलवान चनागो एक ऐसे पल का हिस्सा बन गईं जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी। जब वह स्टेज पर अपना इंट्रोडक्शन दे रही थीं, तभी उनके नकली दांत गिर गए। 27 मार्च को 'द अर्बन हेराल्ड' ने इस घटना का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसमें कमोलवान को पूरे आत्मविश्वास के साथ बोलते हुए देखा जा सकता है, पर तभी उनके विनियर गिर जाते हैं। हैरानी की बात यह रही कि कमोलवान इस हादसे से घबराईं नहीं। स्टेज से भागने के बजाय उन्होंने तुरंत अपना मुंह कैमरों से दूसरी तरफ फेरा, विनियर ठीक किए और अपना भाषण पूरा किया। उनकी इस हिम्मत को देख वहां मौजूद दर्शक दंग रह गए और तालियों से उनका हौसला बढ़ाया। इसके बाद उन्होंने शानदार तरीके से अपनी रैंप वॉक पूरी की और कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज भी दिया। इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और इसे लाखों बार देखा जा चुका है। लोग कमोलवान के आत्मविश्वास और शांत स्वभाव की जमकर तारीफ कर रहे हैं। जिस तरह उन्होंने बिना हिम्मत हारे अपना प्रदर्शन जारी रखा, उसने लोगों का दिल जीत लिया। कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा, 'उन्होंने इस स्थिति को हममें से ज्यादातर लोगों के 'बैड हेयर डे' से भी बेहतर तरीके से संभाला।' वहीं दूसरे ने इसे 'सबसे यादगार पेजेंट पल' बताया।

मिस ग्रैंड थाईलैंड 2026 की फाइनल नाइट 28 मार्च को बैंकॉक के एमजीआई हॉल में होने वाली है। इस प्रतियोगिता की विजेता को मिस ग्रैंड थाईलैंड 2025 सरुनरत गॉचबेल ताज पहनाएंगी। खास बात यह है कि विजेता प्रतिभागी अक्टूबर 2026 में भारत में होने वाले 'मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2026' में हिस्सा लेगी।

आयुर्वेद और एविडेंस बेस्ड मेडिसिन का समन्वय समय की माँग : डॉ. जी. एस. तोमर

गोरखपुर। आरोग्य भारती द्वारा झंडु-इमामी समूह के सहयोग से 'आयुर्वेद एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन के समन्वय' विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन गोरखपुर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जी. एस. तोमर ने किया एवं अध्यक्षता आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के अध्यक्ष डॉ. डी. पी. सिंह ने की।

अपने उद्घाटन भाषण में प्रो. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद को एविडेंस बेस्ड मेडिसिन के साथ जोड़ने के लिए पारंपरिक ज्ञान का वैज्ञानिक तरीकों–जैसे रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल्स, नेटवर्क फार्माकोलॉजी और फार्माकोकाइनेटिक अध्ययन–के माध्यम से सत्यापन आवश्यक है, जिससे उपचार की सुरक्षा और प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि यह समन्वय आयुर्जीनोमिक्स (ंल्नतहमदवउपबे) जैसी अवधारणा को बढ़ावा देता है, जिसमें व्यक्ति की प्रकृति (प्रकृति आधारित चिकित्सा) के अनुसार उपचार किया जाता है। यह आधुनिक फार्माकोलॉजी के साथ मिलकर विशेष रूप से जीर्ण रोगों के इलाज में प्रभावी सिद्ध हो सकता है। डॉ. तोमर ने समन्वय के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए

कहा कि आधुनिक शोध मानकों का उपयोग कर आयुर्वेदिक औषधियों का वैज्ञानिक परीक्षण आवश्यक है । इसके अलावा नेटवर्क फार्माकोलॉजी के माध्यम से आयुर्वेदिक दवाओं के बहु-लक्ष्य (स्ल्र्ट्रि) प्रभावों को समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक औषधीय पौधों का वैज्ञानिक प्रमाणीकरण कर सुरक्षित, किफायती और लक्षित हर्बल उपचार विकसित किए जा सकते हैं। डॉ तोमर ने ज़ोर देकर बताया कि पीड़ित मानवता की बेहतर सेवा के लिए आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा पद्धति का समन्वय समय की मांग है। यह समेकित दृष्टिकोण न केवल सतत स्वास्थ्य समाधान विकसित करेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद को स्वीकार्यता भी दिलाएगा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस दिशा में कई चुनौतियां हैं, जैसे–संस्कृत ग्रंथों और आधुनिक वैज्ञानिक शब्दावली के बीच अंतर को पाटना तथा ऐसे शोध मॉडल विकसित करना जो आयुर्वेद की समग्र और व्यक्तिगत प्रकृति का सम्मान करें । डॉ. तोमर ने इसके लिए आयुर्वेदाचार्यों, इंडोलॉजिस्ट्स, फार्माकोलॉजिस्ट्स और आधुनिक चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच सहयोगात्मक शोध की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे साक्ष्य-आधारित समेकित स्वास्थ्य प्रणाली विकसित की जा सके।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. डी. पी. सिंह ने डॉ. तोमर को पीड़ित मानवता की सेवा में उनके सतत योगदान के लिए बधाई दी। इस अवसर पर गोरखपुर के कई प्रमुख चिकित्सक, जिनमें डॉ. जे. पी. मिश्रा, डॉ. पी. सी. त्रिपाठी, डॉ. अंजनी कुमार सिंह, डॉ. जयंत नाथ, डॉ. प्रभाकर मल्ल, डॉ. एस. के. सिंह, डॉ कमलेश पाण्डेय, डॉ डी के सिंह, डॉ विनम्र शर्मा, डॉ रमाकांत द्विवेदी, डॉ लक्ष्मी द्विवेदी, डॉ विनय सिंह, डॉ प्रज्ञा सिंह एवं रत्नेश्वर सिंह आदि उपस्थित रहे।

अहमदाबाद मंडल द्वारा निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी अपने गुजरात दौरे के दौरान दिनांक 31 मार्च, को राज्य में रेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने हेतु लगभग ?891 करोड़ की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं का लोकार्पण एवं राष्ट्र को समर्पण करेंगे।

इन परियोजनाओं में खेडब्रह्मा-हिम्मतनगर रेल लाइन का लोकार्पण, खेडब्रह्मा-हिम्मतनगर-अहमदाबाद (असारवा) नई रेल सेवा का शुभारंभ, गांधीधाम-आदीपुर रेल लाइन के मल्टी-ट्रैकिंग कार्य तथा कानालुस-जामनगर रेल लाइन के दोहरीकरण का राष्ट्र को समर्पण शामिल है। ये परियोजनाएं उत्तर गुजरात, सौराष्ट्र एवं कच्छ क्षेत्रों को सुदृढ़ रेल कनेक्टिविटी प्रदान करते हुए राज्य के समग्र विकास को नई गति देंगी।

उक्त महत्वपूर्ण अवसर के उपलक्ष्य में अहमदाबाद मंडल के कार्मिक विभाग द्वारा वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी श्री सिद्धार्थ के नेतृत्व में 'रेल की नई सुविधाओं का जीवन में महत्व' विषय पर निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 27 मार्च, को गांधीधाम, इडर एवं खेडब्रह्मा स्टेशनों पर किया गया। इस प्रतियोगिता में तीनों स्थानों पर कुल 625 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह प्रतियोगिताएं खेडब्रह्मा स्थित अर्रडेक्ता इंस्टीट्यूट, इडर स्थित सर प्रताप हाई स्कूल तथा गांधीधाम स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में आयोजित की गईं। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में रेलवे की आधुनिक सुविधाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में चयनित विजेता विद्यार्थियों को दिनांक 31 मार्च, 2026 को आयोजित समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा।

मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद श्री वेद प्रकाश ने इस अवसर बताया कि इस प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से न केवल रेल परियोजनाओं के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाई जा रही है, बल्कि युवा पीढ़ी को देश के विकास में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित भी किया जा रहा है।

नेपाल के नए प्रधानमंत्री को पीएम मोदी ने भेजा बधाई संदेश, कहा- संबंधों को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएंगे

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह 'बालेन' को शपथ लेने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के आपसी फायदे के लिए भारत-नेपाल संबंधों को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हैं।

रैपर से नेता बने बालेंद्र शाह ने शुक्रवार को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। यह के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने लगभग लगभग छह महीने बाद हुआ है। ओली सरकार को एक युवा पीढ़ी के विरोध प्रदर्शन में हटा दिया गया था।

पीएम ने क्या कहा?

मोदी ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, 'नेपाल के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ

लेने पर श्री बालेंद्र शाह को हार्दिक बधाई। आपकी नियुक्ति नेपाल की जनता द्वारा आपके नेतृत्व में जताए गए भरोसे को दर्शाती है। मैं हमारे दोनों देशों की जनता के आपसी फायदे के लिए भारत-नेपाल की दोस्ती और सहयोग को और भी ऊंचाइयों पर ले जाने हेतु आपके साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हूं।'

बालन का राजनीतिक सफर

35 वर्षीय राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी बालेन शाह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला है। वह देश में यह पद संभालने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं। बालन मधेश क्षेत्र से शीर्ष कार्यकारी पद संभालने वाले पहले व्यक्ति भी हैं। उनका शपथ ग्रहण नेपाल की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

उत्पाद शुल्क में कटौती पर सियासत तेज, विपक्ष ने सरकार को घेरा; सरकार ने बताया दूरदर्शी निर्णय

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती को लेकर देश में राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। जहां केंद्र सरकार इसे महंगाई से राहत देने वाला महत्वपूर्ण कदम बता रही है, वहीं विपक्ष इसे अपर्याप्त और चुनावी उद्देश्य से लिया गया निर्णय बता रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि यह फैसला आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर लिया गया है। उनका कहना है कि जब पिछले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई थी, तब आम जनता को कोई राहत नहीं दी गई, लेकिन अब चुनाव के समय अचानक यह कटौती की गई है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि सरकार जो कर कम कर रही है, वह जनता से ही लिया गया धन है। इसलिए इसे राहत के रूप में प्रचारित

करना उचित नहीं है।

राष्ट्रीय जनता दल की सांसद मीसा भारती ने कहा कि यह कटौती वास्तविक राहत नहीं है, क्योंकि कई स्थानों पर पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता ही नहीं है। उन्होंने बताया कि पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगी हैं और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने भी सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्थिति पहले से ही गंभीर थी, लेकिन समय पर कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने इसे आपातकाल जैसी स्थिति बताते हुए कहा कि छोटे व्यापारी, मजदूर, छात्र और आम नागरिक इस संकट से प्रभावित हो रहे हैं।

विपक्ष का कहना है कि कीमतों में कमी के बावजूद जमीनी स्तर पर ईंधन और रसोई गैस की किल्लत बनी हुई है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

वहीं, सरकार का कहना है कि यह निर्णय देशहित में लिया गया है और इसका उद्देश्य बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के बीच जनता को राहत देना तथा आपूर्ति व्यवस्था को स्थिर बनाए रखना है।

इस मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं, जिससे राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

शंखनाद और मंत्रोच्चार के बीच बलेन शाह का कूल अंदाज, सनग्लासेस पहनकर पीएम पद की शपथ

काठमांडू (**एजेंसी**)। नेपाल की राजनीति में आज का दिन काफी ऐतिहासिक रहा। नेपाल बदलाव की ओर बढ़ रहा है या नहीं यह तो आने वाला समय तय करेगा लेकिन एक समय रैपर के रूप में पहचाने जाने वाले शाह अब देश की सबसे बड़ी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। 35 वर्षीय बालेन्द्र शाह ने देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री के तौर पर आज शपथ ली।

शाह ने नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 76(1) के तहत प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। वह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी यानीं एइ के संसदीय दल के नेता हैं और उसी हैसियत से उन्हें यह पद मिला। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने काठमांडू के शीतल निवास स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उन्हें शपथ दिलाई। शपथ लेते हुए शाह ने कहा कि वे देश और जनता के नाम पर संविधान के प्रति पूरी निष्ठा रखेंगे और प्रधानमंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे। बालेन्द्र शाह का शपथ ग्रहण समारोह भी अपने आप में काफी खास रहा। समारोह के समय पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच शंखनाद हुआ, 108 बटुकों ने स्वस्तिशांति का पाठ किया और 16 बौद्ध भिक्षुओं ने अष्टमंगल का उच्चारण किया। इस पूरे आयोजन ने आधुनिक राजनीति और पारंपरिक संस्कृति का एक अनोखा संगम पेश किया।

इतना ही नहीं शाह का अंदाज भी हमेशा की तरह अलग नजर आया। उन्होंने पूरी तरह काले कपड़े पहने और अपने सिग्नेचर डार्क सनग्लासेस के साथ शपथ ग्रहण समारोह में दिखाई दिए। बालेन्द्र शाह की इस उपलब्धि का एक और अहम पहलू है और वो है कि वह मधेशी समुदाय से आने वाले पहले नेता बन गए हैं जो नेपाल के सर्वोच्च कार्यकारी पद तक पहुंचे हैं। यह न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत जीत है बल्कि उस समुदाय के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है जो लंबे समय से प्रतिनिधित्व की मांग करता रहा है। अगर उनके राजनीतिक सफर की बात करें तो यह काफी दिलचस्प रहा है। शाह पहले काठमांडू के मेयर रह चुके हैं और वहीं से उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने कई बार खुले तौर पर केंद्र सरकार और सत्ता के सबसे बड़े केंद्र सिंह दरबार को चुनौती दी। उनका आक्रामक और बेबाक अंदाज ही उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में लेकर आया। काठमांडू के प्रशासनिक अधिकारों को लेकर उनकी आवाज काफी मुखर रही है। चाहे सरकारी टकराव हो या सांस्कृतिक विवाद, शाह ने हमेशा अपने विचार साफ तौर पर रखे और कई बार अधिकारियों के साथ उनकी सीधी भिड़ंत भी देखने को मिली। यही वजह है कि उन्हें एक ऐसे नेता के तौर पर देखा जाता है जो परंपरागत राजनीति से अलग रास्ता अपनाता है।

ईरान का ऐसा खौफ, होटल में छिपे अमेरिकी सैनिक, हमले के बाद कई ठिकाने बर्बाद

तेहरान (**एजेंसी**)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कभी शायद ही सोचा हो कि उनके सैनिकों पर ईरान के हमले इतने पहने हो जाएंगे कि सैनिकों को होटलों में पनाह लेनी पड़ेगी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट यही कह रही है। पूरे मिडिल ईस्ट और वेस्ट एशिया जो इलाका है वहां पर अमेरिका के छोटे-बड़े मिलाके और ठिकाने एयरबेस नेवल बेस सब मिला के 13 बड़े-बड़े ऐसे बेस हैं जो अमेरिका के लिए स्ट्रेटेजिक रूप से बहुत अहम माने जाते हैं। ईरान ने इन पर इतना जबरदस्त हमले हमला किया चाहे वो ड्रोन से हो, चाहे बैलेस्टिक मिसाइल से हो, चाहे वो हाइपरसोनिक मिसाइल से हो कि अब वहां रहने लायक नहीं बचा है। या तो वह पूरी तरह तबाह हो चुके हैं वो बेसेस। या तो अगर वो बचे भी हैं तो उनमें जान का खतरा लेके कोई रहना नहीं चाहता। अब यही वजह है कि अमेरिकी सैनिकों को इधर-उधर शिफ्ट किया जा रहा है। अलग-अलग जगहों पे भेजा जा रहा है। लेकिन उन बेसिस पे नहीं रहना चाह रहा क्योंकि वो बेस

लगातार ईरान जाने किस तरह से मॉनिटर कर रहा है। वो सेटेलाइट इमेजरी उसको मिल रही है या जो भी चीजें हैं लेकिन वो लगातार इन पे नजर बनाए हुए हैं। और जैसे ही वहां कोई एक्टिविटी हो रही है ईरान तुरंत हमले कर रहा है।

कतर में वहां पे सबसे बड़ा रडार था जो उस पूरे एरिया पे निगरानी रखता था वो रडार तबाह कर दिया। ईरान ने पूरे मिडिल ईस्ट में जो अमेरिका के मिलिट्री बेससेस हैं वहां पर हमले हुए हैं। अमेरिका कई ठिकानों पे जो खासकर मिलिट्री ठिकाने हैं वहां हमले हो रहे हैं। इसमें दो ठिकाने सबसे अहम है। एक क़तर का अलदैद एयरवेज क़तर में ही जो है अमेरिका की जो सेंट्रल कमांड है सेंट कॉम उसका हेड क्वार्टर है और दूसरा है बहरीन में अमेरिकी नेवी की फिफ्थ फ्लीट जो एक मतलब वो नेवल हेड क्वार्टर है उनका। उस पूरी एरिया में जितनी भी नेवल एक्टिविटी होती है अमेरिका की जो अब्राहम लिंकन और जेरा फोल्ड सब वहीं से ऑपरेट हो रहे हैं। सब वहीं से कंट्रोल हो रहे हैं। उसके अलावा जो लैंड फोर्सेस हैं जो भी तमाम डिसीजन लिए जाते हैं वो सेंट्रल कमांड से लिए जाते हैं। ये दो तो सबसे अहम बेस हैं। इसके अलावा सऊदी का प्रिंस सुल्तान एयरबेस है। जावेद अली पोर्ट फैसिलिटी है। नेवल फैसिलिटी से लेकर एयरबसेस जो ये दो मतलब मेन चीजें होती हैं किसी भी मिलिट्री में। दोनों को निशाना बनाया ईरान ने और इस तरीके से निशाना बनाया। ईरान ने अमेरिका के बेसिस को निशाना बनाया है। उनका जो वहां पर मिलिट्री सिस्टम था उनको भी निशाना बनाया गया। तो अब जो खबरें आ रही हैं कि सैनिक कई अमेरिकी सैनिक छितर-बितर हो गए हैं और अलग-अलग होटलों में और दफ्तरों में पनाह लिए हुए हैं।

18 महीने के मासूम को सिगरेट से जलाया, पैरों में दागी कीले

पिता से सच उगलवाने के लिए इजरायली सैनिकों ने पार की क्रूरता की सारी हदें!

मनीला (**एजेंसी**)। गाजा पट्टी में जारी संघर्ष के बीच मानवता को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। फिलिस्तीनी मीडिया के दावों के अनुसार, इजरायली सैनिकों ने एक 18 महीने के मासूम बच्चे, करीम अबू नासर, को उसके पिता पर दबाव बनाने के लिए ढाल के रूप में इस्तेमाल किया। रिपोर्टों में आरोप लगाया गया है कि पूछताछ के दौरान बच्चे को सिगरेट से जलाया गया और उसके पैरों में कीलें चुभाई गईं, ताकि उसके पिता से मनचाहा कबूलनामा हासिल किया जा सके। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों के उल्लंघन की बहस को एक बार फिर सुलगा दिया है।

पीड़ित बच्चे के पिता ओसामा अबू नासर ने बताया कि वह अपने बेटे करीम के साथ मध्य गाजा के अल मगाजी शरणार्थी शिविर के पास कुछ जरूरी सामान लेने जा रहे थे। इसी दौरान इजरायली सैनिकों ने उन्हें रोक लिया। ओसामा के अनुसार, उन्हें जबरन एक सैन्य चौकी की ओर ले जाया गया। वहां उन्हें निर्वस्त्र कर पूछताछ की गई और उनके सामने ही उनके 18 महीने के बेटे को प्रताड़ित किया गया। सैनिकों का उद्देश्य ओसामा से जबरन किसी बात का कबूलनामा लेना था । फिलिस्तीनी टीवी द्वारा जारी एक वीडियो में करीम के शरीर पर चोट के गहरे निशान दिखाई दे रहे हैं।

अमेरिका-इज़राइल-ईरान युद्ध : ईरान में पाकिस्तानी दूतावास के पास सुनी गईं धमाकों की आवाज़ें

तेहरान (**एजेंसी**)। ईरान की राजधानी तेहरान में हाल ही में हुए हवाई हमलों ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जिस इलाके में मिसाइलें गिरीं, वह पाकिस्तान के दूतावास और राजनयिक आवास के बेहद करीब था। धमाकों की आवाजें दूतावास परिसर तक पहुंची, जिससे वहां मौजूद अधिकारी और कर्मचारी घबरा गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार किसी भी देश का दूतावास उसकी संप्रभु भूमि माना जाता है। ऐसे में दूतावास के पास हमला केवल सुरक्षा का मामला नहीं, बल्कि कूटनीतिक दृष्टि से भी बेहद संवेदनशील है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह हमला जानबूझकर किया गया है, तो इसे चेतावनी के रूप में देखा जा सकता है। वहीं कुछ विश्लेषक इसे तकनीकी या खुफिया गलती भी मान रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने पाकिस्तान में चिंता और सतर्कता दोनों बढ़ा दी है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र मिलकर ईरान और अमेरिका के बीच शांति स्थापित करने के प्रयास कर रहे हैं। पाकिस्तान ने संकेत दिया था कि वह दोनों पक्षों के बीच वार्ता की मेजबानी करने के लिए तैयार है। ऐसे में तेहरान में दूतावास के पास हमला इन कूटनीतिक प्रयासों को झटका दे सकता है। कुछ जानकार मानते हैं कि यह घटना कूटनीतिक बातचीत को कमजोर करने का संकेत भी हो सकती है।

पाकिस्तान सरकार ने अभी तक इस घटना पर आधिकारिक बयान नहीं दिया है,

सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में सुधार, एक-दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिलने की संभावना

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हो रहा है और उन्हें एक-दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। चिकित्सकों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बुखार होने के बाद उन्हें मंगलवार रात करीब 10:22 बजे सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष अजय स्वरूप के अनुसार, गांधी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और अब उनकी स्थिति ''काफी बेहतर'' है। स्वरूप ने कहा, ''उन्होंने (गांधी) नाश्ता भी किया है। हमें उम्मीद है कि उन्हें एक या दो दिन में छुट्टी दे दी जाएगी।'' चिकित्सकों ने बताया कि गांधी को ''सिस्टमिक इन्फेक्शन'' हुआ था और उन पर 'एंटीबायोटिक' दवाओं का अच्छा असर हो रहा है। वह वरिष्ठ चिकित्सकों की एक टीम की देखरेख में हैं, जो उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि हालांकि उनकी स्थिति स्थिर है और गंभीर नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें थोड़े समय के लिए स्वास्थ्य संबंधी निगरानी में रखे जाने की संभावना है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)